कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – कहानी (गद्य)

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) प्रकरण – बड़े भाई साहब

शिक्षण उद्देश्य:-

1. मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना ।
2. छात्रों को अपने परिवेश एवं प्रकृति के बारे में बताना ।
3. मनुष्य जीवन में अनुभव के महत्त्व को प्रतिपादित करना
4. प्रेमचंद की अन्य कहानियों को पढने की प्रेरणा देना
5. कहानी में आए संवेदनशील स्थलों का चुनाव करना।
6. कहानी को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में जोड़कर देखना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- छात्रों के विषय संबंधी पूर्व ज्ञान परीक्षण के लिए कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

1. क्या पढाई और खेल-कूद साथ-साथ चल सकते हैं**?**
2. आप शिक्षा और खेल-कूद में से किसे अधिक उपयोगी मानते हैं ?
3. बच्चों की कुछ स्वभावगत विशेषताएँ बताइये ।
4. आप अपने छोटे भाई-बहनों का ख्याल किस प्रकार रखते हैं?
5. बड़ा होने के नाते आपका क्या कर्त्तव्य बनता है?

शब्द प्रारूप :- पाठ में आए मुहावरे, तत्सम-तद्भव शब्द, पर्यायवाची शब्द, क्रिया की संक्षिप्त जानकारी देते हुए इनके प्रयोग का अभ्यास करवाया जायेगा।

वर्तनीप्रयोग:-पुख्ता(मजबूत),तम्बीह(डांट-डपट),सामंजस्य(तालमेल),इबारत(लेख), चेष्टा(कोशिश)।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-

दृश्य-श्रव्य साधन, पाठ्य पुस्तक, परिचर्चा, वाद-विवाद, नाट्य कला

कार्य प्रणाली :- छात्रों के पूर्व ज्ञान परीक्षण के उत्तरों से सम्बंध जोड़ते हुए पाठ के लेखक के बारे में चर्चा करते हुए पाठ की भूमिका प्रस्तुत की जाएगी । पाठ के अवतरणों की पंक्तिबध व्याख्या की जाएगी। कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए विषयवस्तु का विस्तार किया जायेगा। पाठ का नाटकीय रूपांतरण स्मार्ट बोर्ड में दिखाकर छात्रों की पाठ की जानकारी पुष्ट की जाएगी । पाठ में आने वाले विशेष विषयों जैसे भाई-बहनों के कर्तव्यों एवं अधिकारों पर चर्चा की जाएगी ।

छात्र सहभागिता:- छात्र कहानी को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे । नायक के चरित्र तथा समाजिक बुराई पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । पाठ को हृदयंगम करने

की क्षमता को विकसित करने के लिए पाठ को ध्यान से सुनेगे। सम्बन्धित जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे। अध्यापक द्वारा दिए व्यावहारिक ज्ञान को समझेंगे । विभिन्न उदाहरणों को सुन कर तथा पढ़ कर समाज में वर्तमान समय की स्थिति का अवलोकन करेंगे । समाज में व्याप्त विसंगतियों पर कक्षा चर्चा में अपना भाग लेंगे।

पुनरावृति :- छात्रों के पाठ से सम्बन्धित ज्ञान को जाँचने के लिए कुछ प्रशन किये जायेंगे:

1. बड़े भाई और छोटे भाई की आयु एवं कक्षा में कितना अंतर था ?
2. बड़े भाई दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे **?**
3. बड़े भाई ने शिक्षा-प्रणाली के संबंध में क्या विचार दिए है **?**
4. अंत में बड़े भाई का बचपना कैसे बाहर आया **?**
5. लेखक का लगाव किन चीज़ों में अधिक था ?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:-पुरातन शिक्षा प्रणाली के ढंग जानेंगे ।पाठ से सम्बंधित चित्र बना कर चित्र-कला का विकास होगा ।इसके अतिरिक्त कंप्यूटर ,सामन्य-ज्ञान नाट्य कला आदि विषयों के साथ एकीकरण किया जायेगा ।

सीखने के प्रतिफल:- इस पाठ के द्वारा छात्र नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित होंगे।अपने बुजुर्गों तथा बड़े भाई-बहनों का सम्मान करना सीखेंगे ।कहानी लेखन की कला का विकास होगा । शिक्षा के महत्त्व तथा उसके विभिन्न नवीन एवं पुरातन तरीकों का ज्ञान हासिल करेंगे ।सामूहिक कार्य करने की योग्यता का विस्तार होगा ।

संसाधन :- पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, इन्टरनेट, अभिभावकों से वार्तालाप, इतिहास की जानकारी ।

सह शैक्षिक गतिविधियों:- छात्र कहानी की घटनायों का वर्णन संक्षेप में अपने शब्दों में करेंगे। कहानी को मंचस्थ करने का प्रयास भी करेंगे । पाठ में वर्णित घटनायों की सूची बना कर मनुष्य-मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार का अध्ययन करेंगे ।'शिक्षा रटंत का विषय है या नहीं' विषय पर वाद-विवाद होगा

मूल्यांकन:- निम्न विधियों से मुल्यांकन किया जायेगा ।

क) बोधात्मक प्रश्न---

-क्या परीक्षा पास कर लेना ही योग्यता का आधार है ?

-टाइम-टेबल के अनुसार न पढने की समस्या किशोर विद्यार्थियों में नहीं होती- इस विषय पर विचार प्रकट करके इसे पालन करने के लाभ भी बताइए

ख) इकाई परीक्षाएं

ग) गृह कार्य-

घ) परियोजना कार्य-अपने छोटे भाई-बहन को छात्रावास में पत्र लिख कर पढाई -लिखाई के महत्त्व पर प्रकाश डालिए

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – गद्य (डायरी)

पुस्तक – स्पर्श प्रकरण –डायरी का पन्ना

शिक्षण उद्देश्य:-

1. मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना ।
2. नए शब्दों के अर्थ समझकर अपने शब्द-भंडार में वृदधि करना ।
3. देशभक्ति के प्रति छात्रों का रुझान पैदा करना ।
4. रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना ।
5. डायरी लेखन(विधा) से छात्रों को जागरूक करवाना ।
6. स्वतंत्रता के इतिहास पर रौशनी डालना ।
7. समाज में जीवन के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास करना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है कि छात्रों को डायरी रचना की जानकारी है। मानव जीवन की कमियों तथा आवश्यकतायों के साथ-साथ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भी जानकारी रखतें है । इन्हीं के आधार पर उन से कुछ प्रशन किये जायेंगे :-

1. भारत कब स्वतंत्र हुआ ?
2. हमारा देश अपना गणतंत्र दिवस कब मनाता है ?
3. भारत को आजाद करवाने के लिए किन्ही प्रमुख क्रांतिकारियों के नाम बताइए?
4. डायरी लेखन में किसे रूचि है ?

शब्द प्रारूप :- वाक्यप्रयोग, संयुक्त एवं मिश्र वाक्य, संधि ।

वर्तनी प्रयोग :- पुनरावृत्ति, मोनुमेंट, चौरंगी, वालेंटियर, संगीन

अर्थ :- फिर से आना, स्मारक, कलकत्ता शहर में एक स्थानक का नाम, स्वयं सेवक, गंभीर

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-

दृश्य-श्रव्य साधन, डायरी लेखन, परिचर्चा, संक्षेप (सार लेखन), परिचर्चा ।

कार्य प्रणाली :-छात्रों के पूर्व ज्ञान परीक्षण को आधार मानते हुए उन्हें पाठ की भूमिका बताई जाएगी ।विषय वस्तु का ज्ञान देते हुए पाठ की संक्षिप्त जानकारी दी जाएगी ।छात्रों को स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से पाठ से सम्बंधित एनिमेशन दिखाई जाएगी जो छात्रों द्वारा बनाई गई होगी ।इसके अतिरिक्त 26 जनवरी के एतिहासिक महत्त्व पर कक्षा

में परिचर्चा की जाएगी ।विभिन्न क्रांतिकारियो के सहयोग पर वार्ता होगी। कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायेंगे ।डायरी लिखने के ढंग और उनकी रूचि पर भी चर्चा होगी ।

छात्र सहभागिता:- छात्र पाठ की विषय वस्तु की जानकारी आत्मसात करते हुए कठिन शब्दों के अर्थ समझते हुए शुद्ध उच्चारण से पठन एवं वाचन करेंगे । पाठ में वर्णित रचनाकार के उद्देश्य को भली भांति ग्रहण करेंगे ।क्रांतिकारियों तथा देश भक्तों के बारे में अपने पूर्व ज्ञान की पुष्टि करते हुए उससे सम्बंधित अपनी जिज्ञासा शांत करने हेतु कुछ प्रश्न भी करेंगे ।वे कक्षा में समूह बना कर किसी अंक का नाट्य रूपांतरण भी करेंगे ।

पुनरावृति :- छात्रों की पाठ गर्भिता का मूल्यांकन करने हेतु छात्रों से कुछ प्रश्न किये जायेंगे, जिससे उनके पाठ के प्राप्त ज्ञान का बोध हो पायेगा :-

1. 26 जनवरी का दिन महत्वपूर्ण क्यों था ?
2. ओपन लड़ाई या खुला चैलेंज का पाठ के आधार पर अर्थ बताएं ?
3. स्त्री समाज की इस संघर्ष में क्या भूमिका थी ?
4. पुलिस ने बड़े-बड़े पार्कों को क्यों घेर लिया था ?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- नाट्य रूपांतरण द्वारा अभिनय कला का विस्तार किया जायेगा ।सामजिक शिक्षा के साथ जोड़ते हुए छात्र पाठ से संबंधित जानकारी जैसे स्वतंत्रता का इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों से सम्बंधित कोलाज अथवा सूची का निर्माण करेंगे ।

सीखने के प्रतिफल:- इस पाठ के द्वारा छात्र देश-भक्ति का पाठ सीखेंगे । स्वतंत्रता के इतिहास का ज्ञान अर्जित करेंगे । स्त्री समाज के स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वतंत्रता पश्चात् के योगदान पर अपने विचार रखेंगे तथा स्त्रियों के सामाजिक महत्त्व पर वाद-विवाद के दौरान जानकारी अर्जित करेंगे ।

संसाधन :- पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, इन्टरनेट, घर के बुजुर्ग व्यक्तियों से बातचीत, सामाजिक शिक्षा के अध्यापकों से चर्चा ।

सह शैक्षिक गतिविधियों:- डायरी एक गद्य विधा है जिसमें दैनिक जीवन की घटनाओं तथा अनुभवों को लिखा जाता है।छात्रों को भी डायरी लेखन की प्रेरणा दी जायेगी । छात्र स्वतंत्रता आन्दोलन में पूरे देश में सम्मिलित प्रमुख स्त्रियों के योगदान का उल्लेख करते हुए उनकी जानकारी एकत्र करेंगे ।नाट्य रूपांतरण द्वारा जानकारी पुष्ट करेंगे ।

मूल्यांकन:- निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जायेगा :-

ख) पाठ्य-पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न---

-कलकत्तावासियों के प्रदर्शन में सुभाष बाबू का क्या योगदान था ?
-धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया ?
-उस दिन को अमर बनाने के लिए क्या तैयारियाँ की गयीं ?

ख) इकाई परीक्षा

ग) गृह कार्य

घ) परियोजना कार्य

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – लोककथा

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) प्रकरण – तंतारा वामीरो कथा

शिक्षण उद्देश्य:-

1. साहित्य के गद्य-विधा की जानकारी देना ।
2. भारतीय महाद्वीपों के इतिहास का ज्ञान अर्जित करना ।
3. नये शब्दों के अर्थ समझकर अर्थ भंडार में वृद्धि करना।
4. पुरातन लोक कथाओं को पढने में रूचि पैदा करना ।
5. छात्रों की कल्पना शक्ति में बढ़ोत्तरी करना ।
6. रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना ।
7. पाठ में आए संवेदनशील स्थलों का चुनाव करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- छात्रोंसे कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

क) महाद्वीप क्या होता होता है ?

ख) भारत के महाद्वीप कौन कौन से हैं ?

ग) क्या आप किसी महाद्वीप पर गये हो ?

घ) अंडेमान निकोबार में क्या प्रसिद्ध है ?

शब्दावली:- मुहावरों का प्रयोग करना ,उपसर्ग –प्रत्यय , वाक्य परिवर्तित करना ,विलोम,पर्यायवाची विशेषण,पदबंध

वर्तनी:- आदिम(प्रारंभिक),विलक्षण(असाधारण),सम्मोहित(मुग्ध),चैतन्य(सजग)अन्यमनस्कता (जिसका चित्त कहीं और हो) ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग:-दृश्य-श्रव्य साधन, पाठ्य पुस्तक, पावर पॉइंट्स द्वारा पाठ की प्रस्तुति , नाट्य मंचन ।

कार्य प्रणाली :- छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर उनके प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर पाने की अवस्था में पाठ को आरंभ करने का उद्देश्य कथन कहते हुए भूमिका प्रस्तुत की जायेगी।। प्रत्येक अन्विति की पंक्तिबद्ध व्याख्या की जायेगी।।छात्रों को स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से पाठ से सम्बंधित पी.पी.टी. दिखाई जाएगी जो छात्रों द्वारा बनाई गई होगी ।

छात्र सहभागिता :- छात्र पाठ को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे। नायक के चरित्र पर पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे ।उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यान से सुनेंगे तथा अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए पठन एवं वाचन करेंगे । कहानी को मंचस्थ भी करेंगे । पाठ की मुख्य घटनाओं की संक्षेप में सूची तैयार करेगे ।

नियत कार्य/ पुनरावृत्ति :- छात्रों के पाठ से संबंधित ज्ञान को जांचने के लिए कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

1. पाठ में किस महाद्वीप की चर्चा की गई है?
2. कार निकोबार लिटिल अंडमान से अब कितना दूर है ?
3. लड़का और लड़की का क्या नाम था ?
4. दोनों किस गाँव के थे ?
5. पशुपर्व पर क्या होता है ?तंतारा ने क्रोध में आकर क्या किया ?

अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- सामजिक शिक्षा(भूगोल),कम्पूटर,संगीत, भाषा एवं कला संबंधी विषयों के साथ एकीकरण करते हुए विषय का विस्तार किया जायेगा ।विभिन्न लोक कथाओं को पढने की प्रेरणा देते हुए पठन एवं वाचन कला के साथ-साथ वर्तनी में भी सुधार किया जायेगा ।

सीखने के प्रतिफल :- इस पाठ के माध्यम से मनुष्य-मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार के बारें में जानेगे । अपने व्यावहारिक ज्ञान का प्रयोग करते हुए लोककथा को कहानी का रूप देंगे व् विभिन्न महाद्वीपों की भाषा, रहन- सहन, पोशाक एवं त्योहारों,के बारे में जानकारी हासिल करेंगे । पाठ से 'मूक प्रेम'के उदाहरन द्वारा सच्चे प्रेम का पाठ पढ़ेंगे ।उनकी कल्पना शक्ति का विकास होगा तथा स्व-रचना का अभ्यास होगा ।

संसाधन :- पुस्तक , स्मार्ट बोर्ड , इंटरनेट ,सहायक पुस्तकें तथा चलचित्र।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :- छात्रों को विभिन्न महाद्वीपों के क्षेत्र, भाषा, खान-पान, पहनावा अदि विषयों से संबंधित कुछ चित्र अथवा चलचित्र स्मार्ट बोर्ड पर दिखाए जायेंगे । इसके लिए विषयों से सम्बंधित सूची बनाने अथवा चित्र एकत्रित करने के लिए कहा जायेगा । इसके लिए छात्रों को समूहों में विभाजित करके विभिन्न कार्य दिए जायेंगे । पाठ के आधार पर लघु – नाटिका भी तयार कर सकते हैं ।

मूल्यांकन :-मौखिक एवं लिखित प्रतिक्रिया, समूह वार्ता एवं गृह कार्य के माध्यम से उनका मूल्यांकन किया जायेगा। कहानी के आधार पर प्रमुख पात्रों के चरित्रों का चित्रण करेंगे ।

कक्षा -दसवीं **विषय वस्तु – कविता**

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) **प्रकरण –कबीर (दोहे)**

शिक्षण उद्देश्य:-

1. ईश्वर भक्ति की भावना जागृत करते हुए परमात्मा की ओर उन्मुख करना ।
2. प्राचीन काव्य साहित्य की जानकारी देना ।
3. प्राचीन काल के कवियों की वाणी को आत्मसात करना ।
4. साहित्य के पद्य-विधा (कविता-दोहे)की जानकारी देना ।
5. दोहों के वर्णित भावों को हृदयंगम करना ।
6. दोहों के भावों को अपने दैनिक जीवन के व्यवहार के संदर्भ में जोड़ कर देखना।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- छात्रों से निम्नलिखितप्रश्न किये जाएँगे :-

1. क्या आप ने कबीर के दोहे पढ़े हैं ?
2. नैतिक मूल्य के बारे में आप क्या जानते हैं ?
3. हमें किसी से कैसे बात करनी चाहिए ?
4. सच्चा मित्र कौन होता है ?
5. घमंड से हुई हानि का कोई उदाहरण बताइए ?

छात्रों के विभिन्न उत्तरों का विश्लेषण किया जाएगा।

शब्द प्रारूप:-अलंकार, सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग।

वर्तनी :-कठिन शब्द तथा उनके अर्थ- कुंडलि (नाभि), मिटि (मिटना), अषिर (अक्षर), बंधाई (बनवाकर), सुभाइ(स्वभाव), जाल्या (जलाया)।

संसाधन/विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-पाठय-पुस्तक, दृश्य श्रव्य साधन, स्मार्ट बोर्ड, समूह वार्ता, दोहा गायन, लिंक(पी.पी.टी)- https:/hindisahitya simanchal.wordpress.com ।

कार्य प्रणाली :-शिक्षक दवारा दोहों का उच्च स्वर में पठन किया जायेगा । छात्र उस का उचित अनुगमन करेंगे ।एक-एक करके दोहे की व्याख्या कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए की जाएगी छात्रों द्वारा पठित दोहों में होने वाली उच्चारण सम्बंधी अशुद्धियों को दूर किया जायेगा । साथ ही साथ अलंकार एवं सधुक्कड़ी भाषी शब्दों की व्याख्या की जाएगी।

सह शैक्षणिक गतिविधियाँ :-छात्रों को समूहों में विभाजित करके उन्हें बिहारी के कुछ अन्य दोहों का संग्रह करने का कम दिया जायेगा । पाठ्य पुस्तक के दोहों के अन्य दोहों की भी

व्याख्या करेंगे । इससे उन्हें आत्मसात करने की सुविधा होगी । वे इसके लिए एक पी.पी.टी भी तैयार करेंगे ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:-दोहों को गाकर प्रस्तुत करके संगीत कला क्षेत्र के साथ इसे जोड़ा जायेगा । इस के अतिरिक्त कम्प्यूटर, कला, मिथिहास, मनोविज्ञान आदि से जोड़ा जायेगा । कबीर के दोहों की सी.डी. स्मार्ट बोर्ड में सुनाई जायेगी।

छात्र सहभागिता :- छात्र दोहों के उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यानपूर्वक सुनेगे । दोहों के भावों को हृदयंगम करेंगे तथा उनसे सम्बंधित अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ एवं अलंकारों का विशेष रूप से ज्ञान अर्जित करेंगे । कबीर के दोहों की पी.पी.टी. बनायेगे ।

पुनरावृत्ति:-इस के लिए छात्रों से कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

1. कबीर ने सच्चा भक्त किसे खा है ?
2. निंदा क्यों उपयोगी है ?
3. मन का आपा खोने का क्या आशय है?
4. 'साखी' से आप क्या समझतें है ?
5. कवि ने कस्तुरी मृग का उदाहरण क्यों दिया है ?

सीखने के प्रतिफल :छात्रइन दोहों के माध्यम से छात्र नैतिकता एवं ज्ञान का पाठ सीखेंगे । जनमानस में व्याप्त कुरीतियों और धार्मिक रूढियों को दूर करके अध्यात्मिक एवं नैतिक उन्नति करने में सहायता करना ही इन दोहों का लक्ष्य है ।

मूल्यांकन :- मौखिक एवं लिखित प्रतिक्रिया, समूह वार्ता एवं गृह कार्य के माध्यम से उनका मूल्यांकन किया जायेगा । 'परियोजना कार्य' में वे कबीर और रहीम के पांच-पांच दोहोंका संग्रह करेंगे तथा कबीर की भाषा शैली पर एक अनुच्छेद लिखेंगे । "कबीर का कवित्व आज के संदर्भ में भी प्रासंगिक है" इस विषय पर अपने विचार लिखेंगे ।

कक्षा -दसवीं **विषय वस्तु – कविता**

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) **प्रकरण – पद (मीराबाई)**

शिक्षण उद्देश्य:-

1 कविता का रसास्वादन करना ।
2 प्राचीन काव्य साहित्य की जानकारी देना ।
3 प्राचीन हिंदी की मिश्र भाषा को समझ सकने की योग्यता का विस्तार करना ।
4 ईश्वर भक्ति की भावना जागृत करते हुए परमात्मा की ओर उन्मुख करना ।
5 पदों में वर्णित भावों को हृदयंगम करना ।

6 कविता की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से सम्बद्ध करना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :-यह पूर्वानुमान है कि छात्र प्राचीनकालीन कविता से अवगत हैं । इसके अतिरिक्त वे मानवीय स्वभाव एवं ईश्वर की सत्ता की जानकारी रखते हैं । इसके आधार पर उनसे कुछ प्रश्न किये जाएँगे :-

1. क्या आपने प्राचीन साहित्य के पद पढे है ?
2. क्या आपने 'मीराबाई 'की रचना पढ़ी है ?
3. जीवन में ईश्वर भक्ति का क्या महत्त्व हैं ?
4. मीरा के आराध्य देव कौन हैं ?

छात्रों के प्रश्नों के उत्तरों से संतुष्ट होने पर कविता का नाम एवं कवयित्री का नाम उच्चारित किया जायेगा ।

शब्द प्रारूप :- तत्सम शब्द, अलंकार ,समानार्थी शब्द , प्रचलित शब्द रूप

वर्तनी :-बढायो (बढ़ाना),कुंजर(हाथी),वैजन्ती (एक फूल),अधीरां(व्याकुल),पास्यूं(पाना) ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-दृश्य – श्रव्य साधन, परिचर्चा, कविता-लेखन, काव्य-पाठ, अन्य पदों का संकलन ।

कार्य प्रणाली :- छात्रोंके पूर्व ज्ञान–परीक्षण से संबंध जोड़ते हुए छात्रों को सुप्रसिद्ध कवयित्री मीराबाई के बारे में जानकारी दी जाएगी । कविता का सस्वर वाचन किया जाएगा । छात्र उसका अनुसरण करते हुए पुन: उचित स्वर,लय तथा शुद्ध उच्चारण से कविता का वाचन / गायन करेंगे व उनकी उच्चारण सम्बन्धी त्रुटियों का समाधान करते हुए कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए पंक्तिबद्ध व्याख्या की जायेगी व प्रत्येक काव्यांश में निहित विशिष्ट अर्थ का भी वर्णन किया जाएगा ।

छात्र सहभागिता :-छात्रकविता के कठिन शब्दों के अर्थ आत्मसात करके व्याख्या एवं निहित मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे । पद गायन के दौरान छात्र स्वयं भी गाकर कंठस्थ करेंगे ।मीराबाई की भाषा तथा पदों के बारे में अपनी जिज्ञासा के निवारण हेतु वे विभिन्न प्रश्न कर सकते हैं ।स्मार्ट क्लास में मीरा के पद संगीतमय ढंग से श्रवण करेंगे ।

पुनरावृत्ति :-पुनरावृत्तिके तौर पर छात्रों से पाठ के संबंध में कुछ प्रश्न कियेजाएँगेतथा प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर ण पाने की स्थिति में उनका उचित समाधान भी किया जाएगा :-

1. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ?
2. श्री कृष्ण गायों को चराने कहाँ जाया करते थे ?
3. श्री कृष्ण के रूप सौन्दर्य का वर्णन मीराबाई ने कैसे किया है ?
4. मीरा ऊंचा महल और खिड़कियाँ बनाने की इच्छा क्यों रखती है ?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :-मीरा के पदों को गाकर कक्षा में प्रस्तुत करने से संगीत विषय से संबद्ध किया जायेगा उसके पदों पर नृत्य भी प्रस्तुत करके प्राय:सभा में

प्रदर्शित किया जा सकता है ।भक्तिकालीन काव्य की जानकारी भी प्रदान की जाएगी।मीराबाई द्वारा वर्णित श्रीकृष्ण के रूप का चित्रांकन भी किया जा सकता है तथा उससे सम्बंधित नाटिका/नृत्य-नाटिका का मंचन भी किया जा सकता है ।

सीखने के प्रतिफल :-

1. कविता को उचित स्वर,लय द्वारा उच्चारण करने की ढंग सीखेंगे ।
2. मीराबाई के जीवन के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे ।
3. कविता पाठ एवं पद गायन का विशेष ज्ञान पाना ।
4. पदों को अपने शब्दों में निबंध अथवा कहानी के रूप में लिखना ।
5. निस्वार्थ भक्ति का पाठ पढ़ते हुए गुरु/ईश्वर का सम्मान करना सीखना ।

संसाधन :-

पी.पी.टी.,स्मार्ट बोर्ड, पाठ्य पुस्तक ,मीराबाई के पदों से सम्बंधित पुस्तके तथा सी.डी.

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :-

1. छात्र मीराबाई के अन्य पदों का संग्रह करेंगे ।
2. मीरा के पदों और उसके अर्थ भाव बोध को लेकर एक पी.पी.टी. बनायेंगे ।
3. मीरा की रचनाओं में भक्ति भावना तथा विरहानुभूति अधिक है –इस विषय पर एक अनुछेद रचना करेंगे ।

मूल्यांकन:-निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :-

1. पाठ्य पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न :-

क)मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है ?

ख) मीरा के पदों में कृष्ण लीलाओं एवं महिमा के वर्णन का उद्देश्य क्या है ?

ग)मीरा के काव्य में विरहानुभूति अपनी चरम सीमा पर है –स्पष्ट कीजिये ?

2इकाई परीक्षाएं

3.गृह कार्य – पाठ के प्रश्न अभ्यास करना ।

कक्षा -दसवीं **विषय वस्तु – कविता**

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) **प्रकरण –तोप**

शिक्षण उद्देश्य:-

1 कविता का रसास्वादन करना ।

2 कविता की विषय वस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से संबद्ध करना ।
3 देश की विरासत से सम्बंधित कविताओं की तुलना अन्य कविताओं से करना ।
4 अंग्रेजी शासन तथा तोप के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करना।
5 कविता में वर्णित भावों को हृदयंगम करना ।
6 कविता की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से सम्बद्ध करना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर उनसे कुछ प्रश्न किये जाएँगे :-

1. भारत कब स्वतंत्र तथा गणतंत्र हुआ ?
2. धरोहर क्या होती है ?
3. 1857 के विद्रोह के बारे में आप क्या जानते हैं ?
4. युद्धमें प्रयोग किये जाने वाले अस्त्र-शास्त्र कौन-कौन से हैं ?

छात्रों के प्रश्नों के उत्तरों से संतुष्ट होने पर कविता का नाम एवं कवि का नाम उच्चारित किया जायेगा ।

शब्द प्रारूप :- पुनारुक्तिप्रकाश अलंकार ,समानार्थी शब्द , प्रचलित शब्द रूप

वर्तनी :-मुहाने(प्रवेश द्वार पर),सम्हाल(देखभाल),धज्जे (चिथड़े-चिथड़े करना),फ़ारिग(ख़ाली), सैलानी (दर्शनीय स्थलों पर आने वाले यात्री) ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-दृश्य – श्रव्य साधन, , कविता-लेखन, काव्य-पाठ, देश भक्ति संबंधीअन्य कविताओं का संकलन ,परिचर्चा ।

कार्य प्रणाली :- छात्रोंके पूर्व ज्ञान–परीक्षण से संबंध जोड़ते हुए छात्रों को १८५७ के विद्रोह के बारे में जानकारी दी जाएगी । कविता का सस्वर वाचन किया जाएगा । छात्र उसका अनुसरण करते हुए पुन: उचित स्वर,लय तथा शुद्ध उच्चारण से कविता का वाचन करेंगे व उनकी उच्चारण सम्बन्धी त्रुटियों का समाधान करते हुए कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए पंक्तिबद्ध व्याख्या की जायेगी व प्रत्येक काव्यांश में निहित विशिष्ट अर्थ का भी वर्णन किया जाएगा ।

छात्र सहभागिता :-छात्रकविता के कठिन शब्दों के अर्थ आत्मसात करके व्याख्या एवं निहित मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।कविता में वर्णित 1857 के विद्रोह बारे में चर्चा करेंगे ।अपने देश-भक्तों एवं क्रांतिकारियों तथा अंग्रेजों के अत्याचारों पर अपनी जानकारी को पुष्ट करेंगे ।

पुनरावृत्ति :-पुनरावृत्तिके तौर पर छात्रों से पाठ के संबंध में कुछ प्रश्न कियेजाएँगेतथा प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर न पाने की स्थिति में उनका उचित समाधान भी किया जाएगा :-

1. कविता की एतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है?
2. इस कविता के अनुसार अब तोप किस काम आती है ?
3. तोप की संभाल कब-कब और क्यों की जाती है ?
4. तोप कविता से क्या सीख मिलती है?

5. 1857 के विद्रोह के क्या कारण थे ?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :-इतिहास के साथ 'तोप' कविता को संबद्ध करते हुए उस समय की अन्य जानकारियाँ एकत्र की जायेंगी । इस प्रकार सामाजिक शिक्षा के साथ-साथ आत्मकथा लेखन ,चित्र कला तथा अभिनय कला का भी विस्तार होगा ।

सीखने के प्रतिफल :-

1. कविता को उचित स्वर,लय द्वारा उच्चारण करने की ढंग सीखेंगे ।
2. 1857 के विद्रोह के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे ।
3. कविता पाठ तथा उसमे निहित भावो का विशेष ज्ञान पाना ।
4. कविता को अपने शब्दों में कहानी के रूप में लिखना ।
5. कल्पना शक्ति का विस्तार करना।

संसाधन :-

पी.पी.टी.,स्मार्ट बोर्ड, पाठ्य पुस्तक ,एतिहासिक कविताओं की कविताओं से सम्बंधित पुस्तके तथा सी.डी.

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :-

इतिहास एवं देश भक्ति सम्बंधी कविताओं का संचयन करके उनका अध्ययन करने के लिए दिया जायेगा ।जलिंवाला बागअथवा किसी अन्य एतिहासिक स्थल का भ्रमण करवाने के लिए ले जाया जायेगा ताकि वे स्वयं अनुभव करके कविता के मूल भावों को हृदयंगम करें ।

मूल्यांकन:-निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :-

निम्न प्रश्न का उत्तर अपने शब्दों में लिखेंगे:-

१८५७ की तोप को कवि ने प्राचीन विरासत क्यों कहा है और इसके साथ ही किसकी प्राचीनता का वर्णन किया गया है? कवि ने इसकी साज-संभाल के बारे में क्या व्यंग्य किया है ?

1. गृह कार्य एवं परियोजना कार्यों के अनुसार मूल्यांकन होगा ?

2इकाई परीक्षाएं ।

कक्षा -दसवीं **विषय वस्तु – कविता**

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) **प्रकरण –मनुष्यता**

शिक्षण उद्देश्य:-

1. नए शब्दों के अर्थ समझा कर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना ।
2. नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना ।

3. 'स्व' की भूमि से उठकर 'पर' की भूमि तक जाने के लिए प्रेरित करना ।
4. कविता में वर्णित ऐतहासिक व्यक्तियों एवं तथ्यों की पुष्टि करना ।
5. कविता में वर्णित भावों को हृदयंगम करना ।
6. मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- छात्रों से निम्नलिखितप्रश्न किये जाएँगे :-

1. 'परोपकार' का अर्थ/संधि विच्छेद बतायो ?
2. क्या आप मैथिलीशरण गुप्त की किसी और रचना के बारे में जानकारी रखतें हैं?
3. क्या आप ने किसी की मदद की है ? कैसे ?
4. महाभारत के कुछ पात्रों के नाम बतायो ?

छात्रों के विभिन्न उत्तरों का विश्लेषण किया जाएगा।

शब्द प्रारूप:-अलंकार, खड़ी बोली एवं संस्कृत निष्ठ भाषा, वीर रस, तुकांत, उद्बोधन शैली, सामासिक शब्दावली का प्रयोग।

वर्तनी :-कठिन शब्द तथा उनके अर्थ- पशु-प्रवृत्ति (पशु जैसा स्वभाव), सृष्टि (संसार), क्षुधार्त (भूख से पीड़ित), सहर्ष (प्रसन्नतापूर्वक), मदांध (गर्व से अंधा), प्रमाणभूत (साक्षी), अंतरैक्य (आत्मा की ताकत)।

संसाधन/विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-पाठय-पुस्तक, दृश्य श्रव्य साधन, स्मार्ट बोर्ड, समूह वार्ता, दोहा गायन, लिंक(पी.पी.टी)- https:/hindisahitya simanchal.wordpress.com ।

कार्य प्रणाली :-शिक्षक दवारा कविता का उच्च स्वर में पठन किया जायेगा । छात्र उस का उचित अनुगमन करेंगे ।एक-एक करके कविता की व्याख्या कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए की जाएगी छात्रों द्वारा पठित कविता में होने वाली उच्चारण सम्बंधी अशुद्धियों को दूर किया जायेगा । साथ ही साथ अलंकार एवं खड़ी बोली एवं संस्कृत निष्ठ भाषी शब्दों की व्याख्या की जाएगी।

सह शैक्षणिक गतिविधियाँ :-छात्रों को समूहों में विभाजित करके प्रत्येक अन्विति की व्याख्या करने के लिए खा जायेगा । प्रत्येक समूह उसे अपनी विधि से उच्चतम ढंग से प्रस्तुत करेगा । इससे उनमे आत्मबल बढेगातथा कविता के भावों का शीघ्र आत्मसात कर पाएंगे। कविता में वर्णित प्रत्येक दानवीर महापुरुष के बारे में भी इंटरनेट की सहायता से ढूँढ कर कक्षा में चर्चा करेंगे ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- कविता को गाकर प्रस्तुत करके संगीत कला क्षेत्र के साथ इसे जोड़ा जायेगा । इस के अतिरिक्त कम्प्यूटर, कला, मिथिहास, मनोविज्ञान आदि से जोड़ा जायेगा । कविता की सी.डी. स्मार्ट बोर्ड में सुनाई जायेगी। वीररस की अन्य कवितायों को पढ़ेंगे तथा स्वयं भी लिखने का प्रयास करेंगे।

छात्र सहभागिता :- छात्र कविता के उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यानपूर्वक सुनेगे । कविता के भावों को हृदयंगम करेंगे तथा उनसे सम्बंधित अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ एवं अलंकारों का विशेष रूप से ज्ञान अर्जित करेंगे । कविता की पी.पी.टी. बनायेगे ।

पुनरावृत्ति:-इस के लिए छात्रों से कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

1. कविता के अनुसार अभीष्ट मार्ग कौन सा है ?
2. दधीचि ऋषि कौन थे ?
3. 'मदांध' का अर्थ किस भाव से लिया गया है ?
4. पृथ्वी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?
5. 'सतर्क पंथ' और 'समर्थ भाव' से क्या अभिप्राय है ?

सीखने के प्रतिफल :कविता के भावों तथा उसमेंनिहित उद्देश्य को आत्मसात करेंगे।वर्णित दानवीर महापुरुषों की जीवन गाथा का परिचय प्राप्त करेंगे ।मिलजुल कर रहने, परोपकार करने, अपने लक्ष्य साधने एवं परस्पर सहयोग का पाठ सीखेंगे ।

मूल्यांकन :- मौखिक एवं लिखित प्रतिक्रिया, समूह वार्ता एवं गृह कार्य के माध्यम से उनका मूल्यांकन किया जायेगा । 'परियोजना कार्य' में कविता के आधार पर मनुष्यता की परिभाषा लिखिए एवं वर्तमान परिवेश में इसकी आवश्यकता को प्रस्तुत करेंगे ।

कक्षा -दसवीं **विषय वस्तु – कविता**

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) **प्रकरण –पर्वत प्रदेश में पावस**

शिक्षण उद्देश्य:-

1 कविता का रसास्वादन करना ।
2 प्राचीन काव्य साहित्य की जानकारी देना ।
3 छात्रों में प्रकृति से सम्बंधित कविताओं को पढने तथा समझने की योग्यता का विस्तार करना ।
4 पंत की अन्य रचनाओं को पढना ।
5 कविता में वर्णित भावों को हृदयंगम करना ।
6 कविता की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से सम्बद्ध करना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :-यह पूर्वानुमान है कि छात्र प्राचीनकालीन कविता से अवगत हैं । इसके आधार पर उनसे कुछ प्रश्न किये जाएँगे :-

5. प्रकृति में कौन-2 सी वस्तुएं आती है ?
6. पर्वतीय क्षेत्र में कैसा वातावरण होता है ?
7. वर्षा ऋतु आने पर आप क्या-2 करतें हैं ?
8. वर्षा का देवता किसे कहा जाता हैं ?

9. क्या आप ने कभी पहाड़ों की बारिश का आनंद लिया है?

छात्रों के प्रश्नों के उत्तरों से संतुष्ट होने पर कविता का नाम एवं कवि का नाम उच्चारित किया जायेगा ।

शब्द प्रारूप :-अलंकार ,समानार्थी शब्द , प्रचलित शब्द रूप

वर्तनी :-मेखलाकार (करघनी के आकार के), अवलोक (देखना), अनिभेष (एकटक), उच्चाकांक्षा (ऊँचा उठने की कामना) ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-दृश्य – श्रव्य साधन, पर्वतीय प्रदेश का भ्रमण, कविता-लेखन, काव्य-पाठ, अन्य कविताओं का संकलन ।

कार्य प्रणाली :- छात्रोंके पूर्व ज्ञान–परीक्षण से संबंध जोड़ते हुए छात्रों को सुप्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत के बारे में जानकारी दी जाएगी । कविता का सस्वर वाचन किया जाएगा । छात्र उसका अनुसरण करते हुए पुन: उचित स्वर,लय तथा शुद्ध उच्चारण से कविता का वाचन / गायन करेंगे व उनकी उच्चारण सम्बन्धी त्रुटियों का समाधान करते हुए कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए पंक्तिबद्ध व्याख्या की जायेगी व प्रत्येक काव्यांश में निहित विशिष्ट अर्थ का भी वर्णन किया जाएगा ।

छात्र सहभागिता :-छात्रकविता के कठिन शब्दों के अर्थ आत्मसात करके व्याख्या एवं निहित मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे । कविता पाठ के दौरान छात्र पंत की भाषा तथा कविता के बारे में अपनी जिज्ञासा के निवारण हेतु वे विभिन्न प्रश्न कर सकते हैं ।

पुनरावृत्ति :-पुनरावृत्तिके तौर पर छात्रों से पाठ के संबंध में कुछ प्रश्न कियेजाएँगेतथा प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर न पाने की स्थिति में उनका उचित समाधान भी किया जाएगा :-

6. पर्वत किस प्रकार फैले थे ?
7. झरने किस का गौरवगान कर रहे थे ?
8. तालाब को किस का प्रतीक माना है ?
9. कौन से पेढ धरा में धस गए ?
10. अपना जादू कौन बिखेर रहा है ?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :-पर्वतीय क्षेत्र में वर्षा ऋतु का काल्पनिक चित्र बनायेंगे। जिससे उनकी कला योग्यता विकसित होगी । अधिक वर्षा ऋतु वाले पर्वतीय क्षेत्रों की जानकारी एकत्र करके सामाजिक शिक्षा (भूगोल शास्त्र) के ज्ञान में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त कम्प्यूटर, संगीत एवं भाषा के क्षेत्रों का भी प्रयोग होगा।

सीखने के प्रतिफल :-

1. कविता को उचित स्वर,लय द्वारा उच्चारण करने की ढंग सीखेंगे ।
2. पंत के जीवन के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे ।

3. कविता पाठ का विशेष ज्ञान पाना ।
4. कविता को अपने शब्दों में निबंध अथवा कहानी के रूप में लिखना ।
5. प्राकृतिक संसाधनों का ज्ञान प्राप्त करके कल्पना शक्ति का विस्तार करेंगे ।

संसाधन :-

पी.पी.टी.,स्मार्ट बोर्ड, पाठ्य पुस्तक ,पंत की कविताओं से सम्बंधित पुस्तके तथा सी.डी.

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :-

छात्रों को पंत, निराला आदि की प्रकृति सम्बंधी कविताओं का संचयन करके उनका अध्ययन करने के लिए दिया जायेगा । किसी पर्वतीय प्रदेश का भ्रमण करवाने के लिए ले जाया जायेगा ताकि वे स्वयं अनुभव करके कविता के मूल भावों को हृदयंगम करें ।

मूल्यांकन:-निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :-

निम्न प्रश्न का उत्तर अपने शब्दों में लिखेंगे:-

यह कविता प्रकृति को स्वयं की आँखों से निहारने जैसी अनुभूति देती है –स्पष्ट कीजिए

2. गृह कार्य एवं परियोजना कार्यों के अनुसार मूल्यांकन होगा ?

2 इकाई परीक्षाएं ।

कक्षा -दसवीं **विषय वस्तु – कहानी**

पुस्तक – संचयन (भाग-2) **प्रकरण –हरिहर काका**

शिक्षण उद्देश्य:-

1. पाठ में आए तथ्यों की सूची बनाना ।
2. समाज और परिवार की मुश्किलों का ज्ञान करना ।
3. छात्रों को समाज और परिवार के बारे में जानकारी देना ।
4. कहानी में आएसमाज एवं परिवार से सम्बंधित संवेदनशील स्थलों का चुनाव करना ।
5. कहानी के मुख्य पत्रों का चरित्र चित्रण करना ।
6. ग्रामीण परिवेश एवं व्यवहार की जानकारी देना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है कि छात्रों को अपने समाज एवं परिवार की कठिनाइयोंके बारे में ज्ञान है । ग्रामीण बच्चों की शिक्षण तथा सामाजिक व्यवस्था से अवगत है । इसी की आधार पर कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

1. आपके घर में बुजुर्ग कौन-2 हैं ?
2. उनकी घर में क्या भूमिका है ?
3. आपउनसे कैसा व्यवहार करतें है ?
4. क्या उन्हें उनका पूरा अधिकार मिलना चाहिए ? यदि हाँ तो कैसे ?

शब्द प्रारूप:-तत्सम-तदभव शब्द, देशज, नुक्ता, र के रूप, मुहावरे ।

वर्तनी प्रयोग:-घनिष्ठ(गहरा), निष्कर्ष(परिणाम), विलीन(लुप्त होना), वय (उम्र), अप्रत्याशित (आकस्मिक)।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-दृश्य-श्रव्य साधन,पी.पी.टी, नाट्य-रूपांतरण, पाठ्य-पुस्तक।

कार्य प्रणाली :-छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर पाठ को आरम्भ करने से पूर्व भूमिका प्रस्तुत की जाएगी ।छात्र पाठ के बारे में, उसके मुख्य बिन्दुओं के बारे में जानेंगे । शुद्ध उच्चारण द्वारा कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पठन एवं वाचन किया जायेगा । भूमिका के उपरान्त पठन एवं वाचन के दौरान प्रत्येक अन्विति की व्याख्या की जाएगी। सामाजिक मूल्यों से सम्बन्धित चर्चा करते हुए अध्यापकों के उचित व्यवहार पर चर्चा होगी ।

छात्र सहभागिता :- कहानी को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे । नायक के चरित्र पर तथा समाजिक वातावरण पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । शिक्षक द्वारा किये पाठ को सुनकर तथा उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यान से सुनकर उसका अनुसरण करेंगे । कठिन शब्दों के अर्थ समझेंगे । पाठ में आए विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे।

अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:-समाज में व्याप्त कुसंगतियोंका जिक्र करते हुए छात्र उनके समाधानों पर चर्चा करेंगे । इनसे उनके उच्चारण एवं वाचन सम्बंधी योग्यता का विस्तार होगा। सामाजिक शिक्षा से इसे सम्बन्ध करके बुजुर्गों की सामाजिक दशा पर निरिक्षण करके कक्षा में उस पर चर्चा करेंगे ।हरिहर काका के गाँव के तीन स्तंभों के शब्द चित्र के अतिरिक्त काल्पनिक चित्र बनाने का भी प्रयास करेंगे ।

सीखने के प्रतिफल :-इस पाठ द्वारा छात्र सीखेंगे की प्रेम एवं मित्रता के लिए कोई आयु सीमा बाध्य नही होती । संयुक्त परिवार के महत्व को प्रतिपादित किया जाने के कारण छात्रों में इस की एकाग्रता पर विशेष ध्यान दिया जायेगा । अंधविश्वास के दुष्परिणामों एवं धार्मिक अनपढ़ता पर भी घ्यान प्रदान किया जायेगा ।

संसाधन :-पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड , पाठ्य -पुस्तक, भाषा शिक्षण विधियाँ, लेख/ कहानी लेखन ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:-छात्रों को पाठ के नाटकीय रूप देने के लिए उसे संवाद के रूप में लिखने का प्रयास करेंगे । अंत में हरिहर काका की क्या स्थिति थी उसके बारे में भी लिखेंगे । समाज में व्याप्त किसी समस्या पर आधारित कोई कहानी या लेख लिखने का भी अवसर दिया जायेगा ।

पुनरावृत्ति:-पुनरावृत्ति के तौर पर छात्रों से पाठ/कविता के सम्बन्ध में कुछ प्रश्न किये जायेंगे तथा प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर ना पाने के अवसर पर उचित समाधान भी किया जायेगा:

1. हरिहर काका और लेखक का कैसा सम्बन्ध था ?
2. महंत जी के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है ?
3. हरिहर काका के भाई क्या सचमुच उनसे प्रेम सम्बन्ध रखते थे ?
4. यदि हरिहर काका पढ़े लिखे होते तो स्थिति क्या होती ?

मूल्यांकन :- निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :-

1. पाठ्य पुस्तक के प्रश्न उत्तरों के आधार पर :-

क) कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या सम्बंध थे ?

ख)समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है ?

ग)महंत द्वारा हरिहर को समझाये जाने पर उनकी मनः स्थिति कैसी हो गई ?

घ)आप कैसे कह सकतें हैं की हरिहर काका संयुक्त परिवार के मूल्यों के प्रति समर्पित और प्रेरक मानव थे ?

2.इकाई परीक्षाएं

3.गृह कार्य

4.परियोजना कार्य

कक्षा -दसवीं **विषय वस्तु – कहानी**

पुस्तक – संचयन (भाग-2) **प्रकरण – सपनों के से दिन**

शिक्षण उद्देश्य:-

1. समाज में व्याप्त विसंगतियों के बारे में छात्रों को सजग करना ।
2. बच्चों की मानसिक दशा से अवगत करना ।
3. साहित्य के गद्य -विधा (संस्मरण) की जानकारी देना ।

4. छात्रों मेंप्राणी मात्र के प्रति करुणा, सहानुभूति, प्रेम आदि की भावनाओं जागृत करना ।

5. नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना ।

6. ग्रामीण बच्चों की मानसिक दशा से अवगत कराना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है कि छात्रों को अपने समाज एवं परिवार की कठिनाइयोंके बारे में ज्ञान है । ग्रामीण बच्चों की शिक्षण तथा सामाजिक व्यवस्था से अवगत है । इसी की आधार पर कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

1. अपने गाँव की और वहाँ की शिक्षा व्यवस्था के बारे में वाकिफ हैं ?
2. क्या आपने किसी बच्चे को स्कूल में अपमानित होते हुए देखा है ?यदि हां, तो उसके बारे में बताइए ।
3. क्या आप का परिवार संयुक्त परिवार है ? आप के परिवार में कौन-कौन हैं**?**
4. अपने गाँव/शहर तथा वहाँ की शिक्षा व्यवस्था के बारे में बताइए ।

शब्द प्रारूप:-उच्चारण संबंधी अशुद्धियाँ, वाक्य प्रयोग , शब्द-भेद ।

वर्तनी प्रयोग:-लंडे (हिसाब-किताब लिखने की प्राचीन लिपि),ननिहाल(नानी का घर),चपत(थप्पड़), हरफनमौला(पारंगत), अठे(यहाँ),लीटर(टूटे हुए पुराने खस्तहाल जूते),मुअत्तल (निलंबित),अलौकिक(अनोखा)महकमा –ए-तालीम(शिक्षा-विभाग)

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-दृश्य-श्रव्य साधन,पी.पी.टी, नाट्य-रूपांतरण, पाठ्य-पुस्तक।

कार्य प्रणाली :-छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर पाठ को आरम्भ करने से पूर्व भूमिका प्रस्तुत की जाएगी ।छात्र पाठ के बारे में, उसके मुख्य बिन्दुओं के बारे में जानेंगे । शुद्ध उच्चारण द्वारा कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पठन एवं वाचन किया जायेगा । भूमिका के उपरान्त पठन एवं वाचन के दौरान प्रत्येक अन्विति की व्याख्या की जाएगी। सामाजिक मूल्यों से सम्बन्धित चर्चा करते हुए अध्यापकों के उचित व्यवहार पर चर्चा होगी ।

छात्र सहभागिता :- संस्मरण को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे । नायक के चरित्र पर तथा शैक्षिक व्यवस्था पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । शिक्षक द्वारा किये पाठ को सुनकर तथा उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यान से सुनकर उसका अनुसरण करेंगे । कठिन शब्दों के अर्थ समझेंगे । पाठ में आए विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे ।

अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- कहानी के आधार पर मुख्य चरित्रों के शब्द चित्र ‘बनाने का प्रयास करेगे । लेखक के गाँव का, उसके खेलों का, स्कूल का और अध्यापक तथा हेडमास्टर का चित्र बनाकर उसमें रंग भरेंगे जिससे कल्पना शक्ति के विकास के साथ-साथ कला-क्षेत्र में भी प्रोत्साहन मिलेगा । स्काउट्स के बारे में जानकारी हासिल करेंगे ।

सीखने के प्रतिफल :-छात्र गाँव के वातावरण के प्रति जागरूक होंगे।वहाँ के स्कूलों, कार्यों एवं सामाजिक परिवेश के प्रति ज्ञान में बढ़ावा होगा ।सैनिकों की भर्ती और देश के प्रति उनके योगदान पर भी चर्चा में सीखेंगे ।एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस.के अंतर्गत स्काउट्स के महत्त्व पर चर्चा होगी । इसका अनुभव भी छात्रों को करवाया जायेगा । पक्षियों के प्रति नम्र व्यवहार को भी सीख दी जाएगी ।विद्यालय तथा अध्यापकों का आदर का भाव भी पनपेगा ।

संसाधन :-पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड , पाठ्य -पुस्तक, भाषा शिक्षण विधियाँ, लेख/ कहानी लेखन ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:- छात्र अपने गाँव की शैक्षणिक समस्याओं पर अपने विचार रखेंगे तथा उस पर लेख लिखेंगे । स्काउट्स का अनुभव करने के लिए छात्रों को अपने विद्यालय अथवा गाँव में किसी अन्य स्थान पर सर्वेक्षण के लिए ले जाया जायेगा ।वहाँ वे सहायता कार्य करते हुए अनुशासन का पाठ सीखेंगे ।स्कूल के बाग एवं आंतरिक सुन्दरता को बनाये रखने में अपना योगदान देंगे ।

पुनरावृत्ति:-पुनरावृत्ति के तौर पर छात्रों से पाठ/कविता के सम्बन्ध में कुछ प्रश्न किये जायेंगे तथा प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर ना पाने के अवसर पर उचित समाधान भी किया जायेगा:

1. लेखक के साथ खेलने वाले उसके साथी कैसे थे ?
2. गर्मी की छुट्टियों में उन्हें कैसा काम मिलता था ?
3. उसका सबसे निडर मित्र कौन और कैसा था ?
4. लेखक को किताबें किस से मिलती थी ?
5. लेखक का स्कूल कैसा था ?

मूल्यांकन :- निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :-

1. पाठ्य पुस्तक के प्रश्न उत्तरों के आधार पर :-

क) पी.टी. साहब की शाबाश फौज के तमगों जैसी क्यों लगती थी ?

ख)पी.टी.सर की चारित्रिक विशेषताएँ बताओ ?

ग)प्राचीन और आधुनिक शिक्षा प्रणाली को पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिये ?

घ)विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए पाठ में अपनाई गई ?

2.इकाई परीक्षाएं

3.गृह कार्य

4.परियोजना कार्य

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – गद्य (डायरी)

पुस्तक – स्पर्श   प्रकरण – पतझर में टूटी पत्तियाँ

शिक्षण उद्देश्य:-

8. मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना ।
9. पाठ में वर्णित बिन्दुओं को आत्मसात करना ।
10. पाठ की विष्यवस्तु को पूर्व में सुनी हुई घटना या किसी लेख से सम्बद्ध करना।
11. साहित्य के गद्द विद्या (डायरी) की जानकारी देना ।
12. लेख को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में जोड़कर देखना ।
13. छात्रों को गाँधी जी के विचारों और जापान देश की जीवन शैली की जानकारी देना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है कि छात्रगाँधी और जापान देश की जीवन शैली के बारे में कुछ ज्ञान रखते हैं । साहित्यिक भाषा एवं डायरी शैली की थोड़ी बहुत जानकारी रखते हैं । इन्हीं के आधार पर उन से कुछ प्रशन किये जायेंगे :-

5. क्या आप के आस पास कुछ ऐसे लोग रहतें हैं जो मानसिक तनाव से पीड़ित हैं**?**
6. क्या आप गाँधी जी के बारे में जानते हैं ?
7. हमारे देश में लोगों की जीवन शैली कैसी है और कैसी होनी चाहिए ?
8. मनुष्य की कुछ स्वभावगत विशेषताएँ बताईये ।

शब्द प्रारूप :- वाक्यप्रयोग, समास (द्वंद्व समास), भाववाचक संज्ञा, अनेकार्थी शब्द, संयुक्त एवं मिश्र वाक्य, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार।

{हाथ-पाँव, दस-पन्द्रह, व्यवहार-व्यावहारिकता, सफल-सफलता, सोना-नींद लेना, कनक, धीरे-धीरे, एक-एक}

वर्तनी प्रयोग :- स्तर, शाश्वत, प्रेक्टिकल आईडिया लिस्ट, पर्णकुटी, बेढब, चाजीन

अर्थ :- श्रेणी, सदा एक सा रहने वाला, व्यावहारिक आदर्श, पत्तों से बनी कुटिया, बेडौल, जापानी विधि से चाय पिलाने वाला ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-

दृश्य-श्रव्य साधन, डायरी लेखन, परिचर्चा, संक्षेप (सार लेखन) जापानी परम्पराओं का ज्ञान ।

कार्य प्रणाली :-'पतझर में टूटी पत्तियाँ' गद्द्य की एक ऐसी विद्या का उदाहरण है, जिस में रविंदर केलेकर ने कम शब्दों में अधिक कह कर पाठकों को नैतिक मूल्य का ज्ञान प्रदान किया है। छात्रों के पूर्व ज्ञान परीक्षण को आधार मानते हुए उन्हें पाठ की भूमिका बताई जाएगी ।विषय वस्तु का ज्ञान देते हुए पाठ के दोनों भागों की संक्षिप्त जानकारी दी जाएगी । 'गिन्नी का सोना ' में शुद्ध आदर्शों तथा व्यावहारिकता

की तुलना क्रमश: शुद्ध सोने तथा गिन्नी के सोने से की गई है । गाँधी जी तथा अन्य महापुरषों के उदाहरण देते हुए विषय वस्तु समझाई जाएगी ।जापान में चाय पीने की विधि जो झेन की परम्परा है, उसके बारे में बताकर मानसिक रोगों के कारण एवं उपचार पर चर्चा की जाएगी । कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायेंगे ।

छात्र सहभागिता:- छात्र पाठ की विषय वस्तु की जानकारी आत्मसात करते हुए कठिन शब्दों के अर्थ समझते हुए शुद्ध उच्चारण से पठन एवं वाचन करेंगे । पाठ में वर्णित रचनाकार के उद्देश्य को भली भांति ग्रहण करेंगे। गाँधी जी के आदर्शों तथा मूल्यों को ग्रहण करेंगे । कक्षा में पांच मिनट का मौन धारण करके अपने मन को शांत करने का प्रयास करेंगे । इसके लाभों से दो चार होंगे । समाज में व्याप्त भ्रांतियों के बारे में कक्षा चर्चा में अपनी भागीदारी देंगे।

पुनरावृति :- छात्रों की पाठ गर्मिताका मुल्यांकन करने हेतु छात्रों से कुछ प्रशन किये जायेंगे, जिससे उनके पाठ के प्राप्त ज्ञान का बोध हो पायेगा :-

5. गिन्नी के सोने का प्रयोग अधिकांशत: किस में किया जाता है?
6. 'चा-नो-यु' से लेखक का क्या अभिप्राय है?
7. समाज का हित कैसे लोगों द्वारा सम्भव है?
8. जापान में अस्सी प्रतिशत लोग किस रोग का शिकार हैं?
9. पर्णकुटी का निर्माण किस-किस प्रकार किया गया था?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- छात्रों को जापान की अर्थ व्यवस्था तथा अन्य क्षेत्रों में प्रगति के कुछ नमूनों से अवगत करवाया जायेगा।इन्टरनेट तथा पुस्तकों की सहायता से वे इसकी अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करेंगे। गाँधी जी के आदर्शों तथा उन के आंदोलनों की विशेष जानकारी प्राप्त की जा सकती है।जिस के लिए स्मार्ट क्लास एवं सामाजिक शिक्षा की पुस्तकों की सहायता ली जा सकती है। 'टी-सेरेमनी' के बारे में जानकर उसका नाट्यांकन करके अनुभव करेंगे।

सीखने के प्रतिफल:- इस पाठ के द्वारा छात्र जापान की टी-सेरेमनी के बारे में।जानेंगे इस के अतिरिक्त गाँधी जी के आदर्शों की जानकारी बी उन्हें प्राप्त होगी । इस के लिए वे 'सत्य के प्रयोग' पुस्तक का अध्ययन बी कर सकते हैं । 'टी-सेरेमनी' का शब्द चित्र प्रस्तुत करेंगे । इस के अलावा मानसिक रोगों के कारण, लक्ष्ण एवं उपचाय के उपायों का अध्ययन एवं चर्चा बी करेंगे । पाठ की सारगर्भिता को अपनाते हुए शुद्ध उच्चारण करेंगे ।

संसाधन :- पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, इन्टरनेट, घर के बुजुर्ग व्यक्तियों से बातचीत, समाजिक शिक्षा के अध्यापकों से चर्चा ।

सह शैक्षिक गतिविधियों:- छात्र पाठ में आई प्रमुख घटनायों की सूची तैयार करेंगे। 'टी-सेरेमनी'की जानकारी उसके चित्र सहित एकत्र करके चिपकायेंगे। गाँधी जी के प्रमुख आदर्शों तथा उनके उदाहरणों को कक्षा में सुनायेंगे।

मुल्यांकन:- निम्न विधियों से मुल्यांकन किया जायेगा ।

ग) पाठ्य-पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न---

-शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग क्यों होता है?

-प्रेक्टिकल इदेअलिस्ट किसे कहतें हैं**?**

-टी-सेरेमनी में कितने आदमियों को प्रवेश दिया जाता था और क्यों ?

-आपके विचार से ऐसे कौन से मूल्य हैं जो शाश्वत हैं ?

ख) इकाई परीक्षा

ग) गृह कार्य

घ) परियोजना कार्य

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – कहानी (गद्य)

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) प्रकरण – अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुखी होने वाले

शिक्षण उद्देश्य:-

7. मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना ।

8. छात्रों को अपने परिवेश एवं प्रकृति के बारे में बताना ।

9. जीव-जंतुओं के प्रति करुणा, सहानुभूति**,**प्रेम आदि की भावनाएं जागृत करना।

10. पर्यावरण प्रदुषण को रोकने के विभिन्न उपायों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।

11. कहानी में आए संवेदनशील स्थलों का चुनाव करना।

12. कहानी को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में जोड़कर देखना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है कि छात्रों को कबूतर, पृथ्वी, जंगल की उत्पत्ति काकुछ ज्ञान है। प्राकृतिक विपत्ति तथा समुद्र के बारे में आधारभूत ज्ञान है। पर्यावरण प्रदुषण एवं कुछ समाजिक बुराइयों से वाकिफ हैं।इस के परिक्षण के लिए कुछ प्रशन किये जायेंगे :-

6. क्या आप के आस पास कुछ ऐसे लोग रहतें हैं जो जीव-जंतुओं के साथ बुरा व्य्व्हार करतें हैं**?**

7. क्या आपने समुद्र और जंगल देखे हैं**?** उनकी दो विशेषताएँ बताईये।

8. मनुष्य की कुछ स्वभावगत विशेषताएँ बताईये ।

9. ऐसे दो लोगों के बारे में बताइए जिन्होंने कभी किसी पशु-पक्षी की मदद की हो

10. समुद्र तट (बंबई के किनारे) हुए भयंकर हादसे के बारे में कुछ बताएं

शब्द प्रारूप :- पाठ में आए नुक्ता, विराम-चिन्ह, कारक एवं वचन की संक्षिप्त जानकारी देते हुए इनके प्रयोग का अभ्यास करवाया जायेगा।

कारक : कर्ता (ने), कर्म (को), करण (से), सम्प्रदान (के लिए)...आदि

वचन : चिन्ति-चींटियाँ, फ़ौज-फौजें, टुकड़ा-टुकड़े आदि

नुक्ता : सज़ा, नाज़, तेज़, ज़रा

वर्तनी प्रयोग :- लश्कर (सेना), दालान(बरामदा), मज़ार (कब्र), जलजले (भूकम्प), सैलानी (पर्यटक), सैलाब (बाढ़), अजीज़ (प्यारा), लकब (पद सूचक नाम) ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-

दृश्य-श्रव्य साधन, पाठ्य पुस्तक, सर/संक्षेप रचना, कहानी लेखन,पुरातन समाचार-पत्र अथवा सोशल मीडिया।

कार्य प्रणाली :- छात्रों के पूर्व ज्ञान परीक्षण के उत्तरों से सम्बंध जोड़ते हुए पाठ के लेखक के बारे में चर्चा करते हुए पाठ की भूमिका प्रस्तुत की जाएगी ।शीर्षक को स्पष्ट करते हुए शुद्ध उच्चारण के साथ वचन एवं पठन किया जायेगा ।कुछ महान लोगों के उदाहरण देते हुए पुरातन काल में दूसरों के दुःख में दुखी होने वाले हृदयों के बारे में बताया जायेगा। पृथ्वी एवं समुद्र पर जन-जीवन के विकास में होने वाली हानियों एवं माँ और पत्नी के स्वभाव में पशु-पक्षियों के लिए व्यव्हार में परिवर्तन के उदाहरण दिए जायेंगे। पाठ के अवतरणों की पंक्तिबध व्याख्या की जाएगी। कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए विषयवस्तु का विस्तार किया जायेगा। उनसे सम्बन्धित घटनायों का विवरण दिया जायेगा

छात्र सहभागिता:- छात्र कहानी को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे ।नायक के चरित्र तथा समाजिक बुराई पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे ।पाठ को हृदयंगम करने की क्षमता को विकसित करने के लिए पाठ को ध्यान से सुनेगे। सम्बन्धित जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे।अध्यापक द्वारा दिए व्यावहारिक ज्ञान को समझेंगे । विभिन्न उदाहरणों को सुन कर तथा पढ़ कर समाज में वर्तमान समय की स्थिति का अवलोकन करेंगे ।समाज में व्याप्त विसंगतियों पर कक्षा चर्चा में अपनी भाग लेंगे।

पुनरावृति :- छात्रों के पाठ से सम्बन्धित ज्ञान को जाँचने के लिए कुछ प्रशन किये जायेंगे:

6. कुत्ते द्वार नूह को क्या उपदेश मिला?
7. धरती से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर कौन देता है**?**
8. पाठ में किस के पिता के त्याग का परिचय दिया गया है**?**

9. प्राक्रतिक संतुलन कैसे बिगड़ गया है?

10.बादशाह सुलेमान की क्या विशेषताएँ थीं?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- छात्र कहानी की घटनायों का वर्णन संक्षेप में अपने शब्दों में करेंगे। कहानी की मंचस्थ करने का प्रयास बी करेंगे । पाठ में वर्णित घटनायों की सूची बना कर मनुष्य-मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार का अध्ययन करेंगे ।अपने आस-पास के बड़े-बजुर्गों से वार्तालाप करके अपनी कल्पना के आधार स्वंय इसी विषय पर कोई कहानी लिखने का प्रयास करेंगे।

सीखने के प्रतिफल:- इस पाठ के द्वारा छात्र नैतिक मूल्यों की और प्रेरित होंगे। उनके भीतर जिव-जंतुओं के प्रति करुणा, सहानुभूति, प्रेम आदि की भावनाएं जागृत होंगी ।स्वंय कहानी लिखने की योग्यता का विस्तार होगा । वे किसी पशु-शाला में जाकर भी पशुओं की सेवा द्वारा प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकतें हैं । समाज में आई विसंगतियों के बारे में सजग हो जायेंगे ।

संसाधन :- पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, इन्टरनेट, बुजुर्ग व्यक्तियों से वार्तालाप, पशु-पक्षी एवं वन्य संरक्षण केंद्र ।

सह शैक्षिक गतिविधियों:-पर्यायवरण प्रदुषण पर कुछ स्लोगन तैयार करेंगे तथा इसी से सम्बन्धित पोस्टर बना कर विद्यालय के सूचना पट पर लगायेंगे ।बिद्यालय की पर्यावरण कमेटी के सहयोग से पौधे लगायेंगे तथा उनकी देखभाल करेंगे। एक भाषण/लेख तैयार करेंगे जिसमे पर्यावरण प्रदुषण को रोकने के उपायों की व्याख्या हो ।

मुल्यांकन:- निम्न विधियों से मुल्यांकन किया जायेगा ।

घ) पाठ्य-पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न---

-जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?

-लेखक की माँ ने पूरा दिन रोज़ा क्यों रखा?

-प्रकृति में आए असंतुलन के क्या कारण है**?**

-लेखक की पत्नी को खिड़की में जली क्यों लगवानी पड़ी**?**

ख) इकाई परीक्षाएं

ग) गृह कार्य- पाठ्य पुस्तक प्रशन

घ) परियोजना कार्य-किसी ईएसआई घटना का वर्णन करें जब आप ने मनोरंजन के लिए मानव द्वारा पशु-पक्षियों का उपयोग किया गया हो।

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – एकांकी

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) प्रकरण – कारतूस

शिक्षण उद्देश्य:-

8. साहित्य के गद्य-विधा (एकांकी) की जानकारी देना ।

9. देश के प्रति भक्ति, प्रेम आदि की भावनाएं जागृत करना।

10. नये शब्दों के अर्थ समझकर अर्थ भंडार में वृद्धि करना।

11. एकांकी के नायक के चरित्र को समझना ।

12. छात्रों की कल्पना शक्ति में बडोत्तरी करना ।

13. रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना ।

14. एकांकी में आए संवेदनशील स्थलों का चुनाव करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है कि छात्र देश की आज़ादी की लड़ाई के बारे में, शासन की व्यवस्था के बारे में कुछ ज्ञान रखते हैं । अंग्रेजों के भारत पर शासन का भी कुछ ज्ञान है । उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए उनसे कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

क) क्या आप ने अंग्रेजी शासन व्यवस्था का इतिहास पढ़ा है**?**

ख) किसी देश भक्त के बारे में कुछ बताइए।

ग) हमारे देश की शासन व्यवस्था कैसी है और कैसी होनी चाहिए ?

घ) एकांकी की कुछ विशेषताएँ बताइए?

ङ) कारतूस क्या होता है ?

शब्दावली:- पाठ में आए व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जायेगा जैसे उर्दू च्ब्दों के हिंदी पयार्य----शुबहे=संदेह, हुक्मरां=शासन, मुकर्रर=तय करना, तन्हाई=एकांत

मुहावरों का प्रयोग करना :

-आँखों में धुल झोंकना(धोखा देना): भक्त सिंह अंग्रेजों की आँखों में धुल झोंक कर भाग गया

-काम तमाम कर देना (मार डालना): मुठभेड़ में पुलिस ने डाकुओं का काम तमाम के दिया।

-कारक ---- जंगल की जिंदगी (सम्बन्ध कारक), पद से हटा (अपादान कारक)

वर्तनी:- खेमा, जांबाज़, हकुमत, मुकर्रर, तन्हाई, हुक्मरां, मसलेहत, हिफाजत, मुकाम, तख्त ।

अर्थ -डेरा, जान की बाज़ी लगाने वाले, शासन, तय करना, एकांत, शासक ,रहस्य, सुरक्षा, पडाव ,सिंहासन ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग:-दृश्य-श्रव्य साधन, पाठ्य पुस्तक, पावर पॉइंट्सद्वारा पाठ की प्रस्तुति , एकांकी मंचन ।

कार्य प्रणाली :- छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर उनके प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर पाने की अवस्था में पाठ को आरंभ करने का उद्देश्य कथन कहते हुए भूमिका प्रस्तुत की जायेगी। कर्नल,लेफ्टिनेंट तथा वजीर अली के पात्र चित्रण के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में

क्रांतिकारियों की भूमिका दर्शाते हुए अंग्रेज़ शासकों का भारतीयों की दिलेरी की प्रशंसा किये जाने का वर्णन किया जाएगा । प्रत्येक अन्विति की पंक्तिबद्ध व्याख्या की जायेगी।

छात्र सहभागिता :- छात्र एकांकी को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे। नायक के चरित्र पर तथा अंग्रेजी शासन पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे ।उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यान से सुनेंगे तथा अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए पठन एवं वाचन करेंगे । एकांकी को मंचस्थ भी करेंगे । एकांकी मुख्य घटनाओं की संक्षेप में सूची तैयार करेगे ।

नियत कार्य/ पुनरावृत्ति :- छात्रों के पाठ से संबंधित ज्ञान को जांचने के लिए कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

1. लेफ्टिनेंट ने 'भूत' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया ?
2. कर्नल ने वजीर अली की किस कामयाबी का वर्णन किया ?
3. लार्ड क्लाइव ने कहाँ-कहाँ विजय हासिल की ?
4. हिन्दुस्तान में व्यापार करने आई कंपनी का क्या कंपनी का क्या नाम था ?
5. शम्सुद्दोला और शाहेज़मां कौन थे?

अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- एकांकी मंचस्थ करके नाट्य कला का विकास करेंगे । इसी एकांकी को कहानी के रूप में तथा इसका सार-संक्षेप लिखने का अभ्यास भी करेंगे । वजीर अली के चरित्र का शब्द- चित्र प्रस्तुत करेंगे । समाज में व्याप्त किसी समस्या पर आधारित कोई एकांकी लिखने का प्रयास करेंगे ।

सीखने के प्रतिफल :- इस एकांकी के माध्यम से मनुष्य-मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार के बारें में जानेगे व् एकांकी लिखने में वे नए शब्दों का प्रयोग करेंगे । अपने व्यावहारिक ज्ञान का प्रयोग करते हुए एकांकी को कहानी का रूप देंगे व् देश भक्ति की भावना जागृत करके स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी प्राप्त करेंगे । एकांकी को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में जोड़कर सारांश लिखेंगे ।

संसाधन :- पुस्तक , स्मार्ट बोर्ड , इंटरनेट ,रॉबिनहुड के कारनामों की किताबें अथवा चलचित्र।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :-देश की आन्तरिक एवं बाहरी समस्यायों को चित्रित करता हुआ एक नुक्कड़ नाटक तैयार करेगे तथा उसे मचस्थ करने का अभ्यास करेंगे ।रॉबिनहुड के किस्सों की सूची बनाकरउसका संबंध वज़ीर अली के कारनामों से जोड़ेंगे । देश भक्ति की कोई कवितालिखेंगे तथा देश – प्रेम पर एक अनुच्छेद भी लिखा जा सकता है ।

मूल्यांकन :-निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :-

1.पाठ्य पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न :-

क) कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा था ?

ख) वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी ?

ग) कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?

घ) वज़ीरअली एक जाबाज़ सिपाही था , कैसे ?

2. इकाई परीक्षाएं

3. गृह कार्य – पाठ के प्रश्न अभ्यास करना ।

4. परियोजना कार्य :- एकांकी और नाटक में अंतर बताते हुए कुछ नाटकों एवं एकांकियोंकी सूची तैयार करना ।

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – कविता

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) प्रकरण – आत्मत्राण

शिक्षण उद्देश्य:-

1 कविता का रसास्वादन करना ।
2 प्रार्थना गीत की विशेषताएं बताना ।
3 शब्द भंडार में वृद्धि करना ।
4 स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास करना ।
5 कविता में वर्णित भावों को हृदयंगम करना ।
6 कविता की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से सम्बद्ध करना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- यह पूर्वानुमान है किछात्र प्रार्थना गीत एवं अनूदित कविता से अवगत हैं । इसके अतिरिक्त वे सामाजिक व्यवहार एवं ईश्वर की सत्ता की जानकारी रखते हैं । इसके आधार पर उनसे कुछ प्रश्न किये जाएँगे :-

5. क्या आपने प्रार्थना -गीत पढ़ा है ?
6. क्या आपने 'रविन्द्रनाथ टैगोर 'की रचना पढ़ी है ?
7. आप ईश्वर का वंदन किस प्रकार करते हैं ?
8. आप ईश्वर से क्या प्रार्थना करते हैं ?

छात्रों के प्रश्नों के उत्तरों से संतुष्ट होने पर कविता का नाम एवं कवि का नाम उच्चारित किया जायेगा ।

शब्द प्रारूप :- तत्सम शब्द,अलंकार (अनुप्रास, पुनारुक्तिप्रकाश), कठिन शब्दों के अर्थ :करुणामय- दूसरों पर दया करने वाला अनामय- रोग रहित

व्यथित -दुखी निखिल- संपूर्ण अनुनय – विनय

वंचना – धोखा मही- धरती त्राण – भय निवारण

वर्तनी :- निखिल, व्यथित, टीवी, सांत्वना, चित्त, पौरुष, निर्भय ।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :- दृश्य – श्रव्य साधन, परिचर्चा, कविता-लेखन, काव्य-पाठ, अन्य प्रार्थना-गीतों का संकलन ।

कार्य प्रणाली :- छात्रोंके पूर्व ज्ञान–परीक्षण से संबंध जोड़ते हुए छात्रों को सुप्रसिद्ध कवि रवींद्रनाथठाकुर के बारे में बताया जाएगा । उनके अन्य गीतों की जानकारी संक्षेप में बत्देते हुए प्रार्थना-गीतों की विशेषता एवं महत्त्व के बारे में बताया जाएगा । कविता का सस्वर वाचन किया जाएगा । छात्र उसका अनुसरण करते हुए पुन: उचित स्वर , ली तथा शुद्ध उच्चारण से कविता का वाचन / गायन करेंगे व् उनकी उच्चारण सम्बन्धी त्रुटियों का समाधान करते हुए कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए पंक्तिबद्ध व्याख्या की जायेगी व् प्रत्येक काव्यांश में निहित विशिष्ट अर्थ का भी वर्णन किया जाएगा ।

छात्र सहभागिता :- छात्रकविता के कठिन शब्दों के अर्थ आत्मसात करके व्याख्या एवं निहित मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे । वे एक अनुच्छेद अथवा काव्य रचना करेंगे जिसमें वे ईश्वर से अपनी-अपनी प्रार्थना का वर्णन करेंगे । काश्य में इस बात पर भी चर्चा होगी के जीवन में हानि होने पर लोग / वे क्या करते हैं और उन्हें क्या करना चाहिए ।

पुनरावृत्ति :- पुनरावृत्तिके तौर पर छात्रों से पाठ के संबंध में कुछ प्रश्न कियेजाएँगेतथा प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर ण पाने की स्थिति में उनका उचित समाधान भी किया जाएगा :-

5. कवि किससे और क्या प्रार्थना करता है ?
6. कवि सहायक के न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है **?**
7. अंत में कवि क्या अनुनय करता है ?
8. क्या कवि की यह प्रार्थना अन्य कविताओं से भिन्न लगती है ? यदि हाँ तो कैसे?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :-छात्रों को कविता को अपने शब्दों में निबंध के रूप में लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा इससे निबंध लेखन अथवा रचनात्मक लेखन की कला में भी महारत हासिल करेंगे।इसके अतिरिक्त वे अपनी कल्पना की उड़ान को रूप देने के लिए उसका चित्र बनाने का प्रयास भी कर सकते हैं ।

योग्यता विस्तार कार्य :-

1. कविता को उचित स्वर,लय द्वारा उच्चारण करने की ढंग सीखेंगे ।
2. शांति-निकेतन के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे ।
3. अन्य प्रार्थना- गीतों का सकलन करना ।
4. कविता को अपने शब्दों में निबंध अथवा कहानी के रूप में लिखना ।
5. अपने मन की भावनाओं को अपने शब्दों में व्यक्त करने की कला पैदा करना ।

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु – कविता

पुस्तक – स्पर्श (भाग-2) प्रकरण – कर चले हम फिदा

शिक्षण उद्देश्य:-

1. देश प्रेम की भावनाजागृत करना ।
2. नए शब्दों के अर्थ समझकर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना ।
3. नैतिक मूल्यों की ओरप्रेरित करना ।
4. रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना ।
9. सैनिक के जीवन तथा उनकी भावनाओं से परिचित कराना।
10. कविता की बातों को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में जोड़कर देखना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है की छात्र सैनिकों के जीवन से कुछ परिचित हैं, मानवीय स्वभाव की जानकारी है तथा साहित्यिक भाषा की थोड़ी बहुत जानकारी है । इसके आधार पर उनसे कुछ प्रश्न किये जाएँगे :-

1. आपके क्षेत्र में ऐसे कितने लोग हैं जो सेना में कार्यरत हैं ?
2. मनुष्य की स्वभावगत विशेषताएँ कौन सी हैं ?
3. देश प्रेम क्या होता है ?
4. कुछ देश- भक्तों के नाम बताइए ?
5. भारत के कुछ ऐसे सीमावर्ती इलाकों के बारे में बताइए, जिनके द्वारा दुश्मन का आगमन होने पर मुकाबला हुआ हो ?

छात्रों के विभिन्न उत्तरों का विश्लेषण किया जाएगा।

शब्द प्रारूप:-उर्दू शब्दावली (फ़िदा, नब्ज़,रुसवा, हुस्न, काफिला), वीर रस का प्रतिपादन,अलंकार प्रयोग (दृष्टांत, पुनुरुक्तिप्रकाश,उपमा), संगीतात्मकता, लयात्मकता, कठिन शब्दों के अर्थ (फ़िदा-न्योछावर, हवाले–सौंपना, रुत-मौसम,रुसवा-बदनाम), वाक्य प्रयोग, बहुवचन

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :- दृश्य-श्रव्य साधन, परिचर्चा, कविता पाठ, काव्य लेखन, देश भक्ति गीतों का संकलन, देशभक्ति से संबंधित चलचित्र ।

कार्य प्रणाली :-छात्रों के पूर्व ज्ञान परीक्षणके परिणाम से संबंध जोड़ते हुए कवि ‘कैफ़ी आज़मी‘ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में छात्रों को जानकारी दी जायेगी । फिर गीत को लयबद्ध ढंग से गायन शैली द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा । छात्र उसका अनुसरण करते हुए उसी अनुसार गीत गायन का प्रयास करेंगे । पुन: कविता पाठ करते हुए कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए पंक्तिबद्ध व्याख्या की जाएगी । प्रत्येक पंक्ति के भाव समझाते हुए देश हित में कार्य करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया जायेगा । एक सैनिक के कठिन जीवन के बारे में चर्चा की जायेगी।

छात्र सहभागिता :-छात्र कविता को उचित स्वर, लय द्वारा गानेका अभ्यासकरेंगे।कठिन शब्दों के अर्थ समझते हुए कविता की पंक्तियों के अर्थ आत्मसात करते हुए भावपूर्ण व्याख्या ग्रहण

करेंगे। सैनिक के जीवन पर अध्यापिका के साथ परिचर्चा में भाग लेते हुए अपनी जानकारी की पुष्टि करेंगे।छात्र कोई अन्य कविता पढ़ कर कक्षा में सुनाएगें, जो सैनिकों, देश-प्रेम अथवा देश-भक्ति से ओत-प्रोत हो। वे स्वयं भी कविता लिखने का प्रयास के सकतें हैं ।

पुनरावृत्ति:- पुनरावृत्तिके तौर पर छात्रों से पाठ/कविता के सम्बन्ध में कुछ प्रश्न किये जायेंगे तथा प्रश्नों के संतोषजनक उतर ना पाने के अवसर पर उचित समाधान भी किया जायेगा:

1. कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है?
2. इस गीत में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?
3. इस गीत में 'सर पर कफ़न बांधना' किस ओर संकेत करता है?
4. 'साथियों' शब्द का सम्बोधन कवि ने किस के लिए किया है ?

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:-छात्रों के 'सैनिक के जीवन की आत्मकथा' शीर्षक से एक निबंध लिखने के लिए प्रेरित किया जायेगा। जिस के लिए वे पुस्तकालय तथा इन्टरनेट की सहायता ले सकतें हैं । इस के अतिरिक्त वे देश की सीमा पर खड़े सैनिक को एक पत्र लिखेंगे, जिसमे इस कविता में किये एक सैनिक के आह्वानका उतर होगा कि वो देश के लिया क्या-क्या कर सकतें हैं अथवा करेंगें।

योग्यता विस्तार कार्य :-

1. कविता को उचित स्वर, लय द्वारा उच्चारण करने का ढंग सीखेंगे ।
2. देश भक्ति के अन्य गीतों का संकलन करेंगे।
3. अपने शब्दों में निम्बंध एवं पते लेखन का अभ्यास करेंगे ।
4. किसी सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा करके सैनिकों के जीवन की जानकारी एकत्र करने का प्रयास करेंगे।

कक्षा -दसवीं विषय वस्तु –कहानी

पुस्तक –संचयन (भाग-2) प्रकरण –टोपी शुक्ला

शिक्षण उद्देश्य:-

1.कहानी की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई घटना सेसम्बद्ध करना ।

2. बच्चों की मानसिक दशा से अवगत करना ।

3. साहित्य के गद्य -विधा (कहानी) की जानकारी देना ।

4. छात्रों को समाज और परिवार के बारे में जानकारी देना ।

5. पात्रों के चरित्र को समझना ।

6. कहानी की विषयवस्तु को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में जोडकर देखना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-यह पूर्वानुमान है कि छात्रों को अपने समाज एवं परिवार की कठिनाइयोंके बारे में ज्ञान है । बच्चों की शिक्षा तथा समाजिक व्यवस्था से अवगत है । इसी की आधार पर कुछ प्रश्न किये जायेंगे :-

5. क्या आप अपने समाजिक व्यवस्था के बारे में कुछ जानते हैं ?
6. क्या आपने किसी बच्चे को स्कूल में अपमानित होते हुए देखा है ?यदि हां, तो उसके बारे में बताइए ।
7. क्या आप का परिवार संयुक्त परिवार है ? आप के परिवार में कौन-कौन हैं**?**
8. अपने गाँव/शहर तथा वहाँ की शिक्षा व्यवस्था के बारे में बताइए ।

शब्द प्रारूप:-उर्दू शब्दावली का प्रयोग, क्रिया-भेद, पूर्वी भाषा शब्दावली, 'र' के विभिन्न रूप।

वर्तनी प्रयोग:-अटूट (ना टूटने वाला), करबला (इस्लाम का पवित्र स्थान), सदका (एक टोटका), छठी (जन्म के छठे दिन का पूजन), कस्टोडियन (लावारिस सम्पति का संरक्षण करने वाला विभाग), बाजी (बड़ी बहन), लफ़्ज़ (शब्द), शुशकार (कुत्ते को उकसाने के लिए आवाज़), गाउदी (भोंदू), दाज (बराबरी)

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किये जाने वाले अभिनव ढंग :-दृश्य-श्रव्य साधन,पी.पी.टी, नाट्य-रूपांतरण, पाठ्य-पुस्तक।

कार्य प्रणाली :-छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर पाठ को आरम्भ करने से पूर्व भूमिका प्रस्तुत की जाएगी ।छात्र पाठ के बारे में, उसके मुख्य बिन्दुओं के बारे में जानेंगे । शुद्ध उच्चारण द्वारा कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पठन एवं वाचन किया जायेगा । भूमिका के उपरान्त पठन एवं वाचन के दौरान प्रत्येक अन्विति की व्याख्या की जाएगी।सामाजिक मूल्यों से सम्बन्धित चर्चा करते हुए टोपी तथा इफ्फन की मित्रता एवं हिन्दू मुस्लिम भाईचारे का संदेश दिया जाएगा ।

छात्र सहभागिता :- कहानी को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे ।नायक के चरित्र पर तथा शैक्षिक व्यवस्था पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । शिक्षक द्वारा किये पाठ को सुनकर तथा उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यान से सुनकर उसका अनुसरण करेंगे । कठिन शब्दों के अर्थ समझेंगे । पाठ में आए विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे ।

अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- 'टोपी शुक्ला " कहानी के आधार पर मुख्य चरित्रों के "चित्र रूप 'बनाने का प्रयास करेगे । सामजिक्मिशक्षा के साथ जोड़ते हुए वे हिन्दू-मुस्लिम संप्रदाय के आपसी भेद-भाव के संबंध में निबंध लिखकर उसके कारण एवं निराकरण का उपाय भी सुझायेंगे ।

सीखने के प्रतिफल :- इस पाठ द्वारा छात्र निस्वार्थ मित्रता का पाठ सीखेंगे जिसमें धर्म के कारण मित्रता के मूल्यों में कोई परिवर्तन नहीं होता । इसके अतिरिक्त पारिवारिक समस्याओं जैसे छात्रों को पढाई का वातावरण न मिलने के कारण फेल होना, किसी राज्य की भाषा

अथवा संस्कारों को नीचा न समझना और प्रेम् किसी भाषा अथवा उम्र का मोहताज नहीं होता -ये सब मूल्य सीखेंगे।

संसाधन :-पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड , पाठ्य -पुस्तक, भाषा शिक्षण विधियाँ ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:- छात्र अपने गाँव की शैक्षणिक समस्याओं पर अपने विचार रखेंगे तथा उस पर लेख लिखेंगे । अपनी किसी पारिवारिक समस्या पर आधारित कोई कहानी या लेख लिखेंगे । अपने आस-पास टोपी तथा इफ्फ्न जैसा कोई उदाहरण ढूँढने का प्रयास करेगे । एक सर्वेक्षण के दौरान वे पता लगायेंगे कि कितने लोग अपने से भिन्न धर्म के लोगों के साथ मित्र करते हैं तथा उसके परिणामों का आंकड़ा तैयार करेंगे ।

पुनरावृत्ति:-पुनरावृत्ति के तौर पर छात्रों से पाठ/कविता के सम्बन्ध में कुछ प्रश्न किये जायेंगे तथा प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर ना पाने के अवसर पर उचित समाधान भी किया जायेगा:

6. टोपी तथा इफ्फन का पूरा नाम क्या था ?
7. टोपी तथा इफ्फन के पिता क्या – क्या करते थे ?
8. टोपी को अपनी दादी अच्छी क्यों नहीं लगती थी ?
9. टोपी की माँ की बोली किसके समान थी ?
10. नए कलेक्टर के बेटों के साथ टोपी की मित्रता क्यों न हुई ?

मूल्यांकन :- निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :-

1. पाठ्य –पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न –

क) इफ्फन टोपी की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा क्यों है ?

ख) ‘अम्मी’ शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया थी ?

ग)पुरे घर में इफ्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था ?

घ)दस अक्टूबर सन पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता था ?

2.इकाई परीक्षाएं

3.गृह कार्य

4.परियोजना कार्य

<u>विषयहिंदी</u>

<u>उपविषयपदबंध</u>

<u>शिक्षणउद्देश्य</u>

- कक्षा आठ के छात्रों के लिए पदबंध एक नया विषय है इसलिए शब्द को समझाते हुए पद बंद का ज्ञान कराना ।

- एक प्रकार से वाक्य विचार के लगभग सभी विषयों का पुनर अभ्यास कराना।
- अपने काम के प्रति छात्रों में विश्वास पैदा करना ।
- रचनात्मकता जाग्रत करना।

सहायकसामग्री

- श्यामपट्ट, चौक, डस्टर ,सी .डी ,प्रोजेक्टर आदि।

पद्धति

- 'जुड़िए और समझिए 'गतिविधि से पाठ का आरंभ करते हुए पदबंध के विषय में बताया जाएगा।

शिक्षणकार्य

- परिभाषा समझाते हुए कुछ उदाहरण दिए जाएंगे। उसके बाद यह बताया जाएगा कि पदबंध का अर्थ क्या है तथा पुस्तक में दी गई जानकारी के माध्यम से यह समझाया जाएगा कि पद्म एवं उपवाक्य की पहचान कैसे की जाती है। विषय छात्रों को भलीभांति समझाने के लिए पाठ की सी सीडी का कक्षा में प्रसारण किया जाएगा ।बीच-बीच में सीडी को रोककर पाठ के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाएगा ।'आओ दोहराएं' विधि से पाठ के मुख्य बिंदुओं पर बल दिया जाएगा ।छात्रों को समझाया जाएगा कि पदबंध के पांच भेद होते हैं
- संज्ञा पदबंध
- सर्वनाम पदबंध
- विशेषण पदबंध
- क्रिया पदबंध
- क्रिया विशेषण पदबंध
- छात्रों को पदबंध के भेद समझाते हुए पदबंध की और उसके भेद की पहचान करना बताया जाएगा।

अन्यज्ञानक्षेत्रोंकेसाथएकीकरण

- अलग-अलग विषयों से संबंधित वाक्य उदाहरण के रूप में छात्रों के समक्ष रखे जाएंगे।
- जैसे' धरती का आकार गोल है।'इस वाक्य के माध्यम से छात्र भूगोल से जुड़ेंगे

- 'समाज में रहने वाले सभी प्राणी एक समान है'इस वाक्य से छात्र सामाजिक शिक्षा से जुड़ेंगे।

छात्रसहभागिता

- छात्र दिए गए अभ्यास कार्य को करेंगे।अपनी तरफ से कुछ उदाहरण प्रस्तुत करके अपनी रचनात्मकता मैं सुधार करेंगे।

सहशैक्षिकगतिविधि

वर्गमुकाबला

- छात्रों को दो वर्गों में बांट दिया जाएगा एक वर्ग वाक्य बोलेगा तो दूसरा वर्ग इस वाक्य में पद बंद की पहचान कर उसका भेद भी बताएगाइस प्रकार छात्र वर्ग मुकाबले में भाग लेना सीखेंगे।

पुनरावृति

- पदबंध किसे कहते हैं?
- संज्ञा पदबंध की क्या पहचान होती है?
- क्रिया पदबंध किसे कहते हैं?
- विशेषण पद बंद को आप किस प्रकार पहचानेंगे?

शिक्षणकेप्रतिफल

- छात्र पदबंध और उसके भेदों की पहचान करना सीख जाएंगे।
- रोचक गतिविधि तथा अभ्यास कार्य द्वारा छात्र अपनी अनुभव की अभिव्यक्ति तथा लेखन क्षमता को दर्शाने का अवसर प्राप्त करेंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास कार्य, वर्ग प्रतियोगिता तथा अन्य गतिविधियों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा

पाठवाक्यविचार

उपविषय

रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

शिक्षणउद्देश्य

- पाठ में दिए गए विशेष बिंदुओं पर विशेष रूप से बल देना ।
- वाक्य बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए अथवा उन में कौन-कौन से गुण होने चाहिए इस विषय में समझाना ।
- वाक्य के अंग उद्देश्य तथा विधेय से परिचित करवाना ।
- रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी देना ।
- शुद्ध वाक्य रचना सिखा कर छात्रों को लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ाना ।
- रचनात्मकता जाग्रत करना।

पूर्वज्ञानपरीक्षा

- क्या आप जानते हैं कि वाक्य कैसे बनता है ?
- क्या शब्दों के मेल को वाक्य कहा जा सकता है ?
- क्या वाक्यों में पद क्रम का होना जरूरी होता है ?
- क्या वही पद समूह, जिसका कोई अर्थ वाक्य कहलाता है?

सहायकसामग्री

- सीडी ,प्रोजेक्टर, श्यामपट्ट, डस्टर ,चौक कंप्यूटर आदि।

पद्धति

- वाचन कथा श्रवण पद्धति

शिक्षणकार्य

- जुड़िए और समझिए संदर्भ द्वारा उद्देश्य-विधेय की जानकारी दी जाएगी तथा सार्थक-निरर्थक शब्दों की पहचान कराई जाएगी वाक्य की परिभाषा बताते हुए उसके गुण भीड़ तथा उपभेद पर चर्चा की जाएगी ।बीच-बीच में संबंधित उदाहरण देते हुए विषय की पुष्टि की जाएगी पाठ संबंधी सी. डी. का प्रसारण किया जाएगा।अर्थ के आधार पर तथा रचना के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी दी जाएगी।छात्रों को सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य में रूपांतरण करना तथा संयुक्त से सरल वाक्य बनाना भी सिखाया जाएगा।अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ वेदों के बारे में भी बताया जाएगा।

अन्यज्ञानक्षेत्रोंकेसाथएकीकरण

- Sentences के बारे में बताते हुए उप विषय को अंग्रेजी विषय के साथ भी जोड़ा जाएगावातावरण तथा विज्ञान से जुड़े हुए वाक्यों द्वारा छात्रों को विज्ञान तथा वातावरण जैसे विषयों से भी जोड़ा जाएगा।
- जैसे वातावरण में बहुत से तत्व शामिल होते हैं।
- रक्त प्रवाह बढ़ने से बाजार की मृत्यु हो गई।

छात्रसहभागिता

- अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे ।अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचने और विचार करने की शक्ति को दर्शा

एंगेअपनी आशंकाओं का निवारण करते हुए उक्त विषय को अच्छी तरहसे समझने का प्रयास करेंगे। विषय संबंधी की दी गई गतिविधि को करेंगे।

सहशैक्षिकगतिविधि

- अभिनय करना
- वाक्य विचार के सभी भेदों को छात्रों में बांट दिया जाएगा और एक अध्यापिका के रूप में अभिनय करते हुए उन्हें कक्षा के अन्य छात्रों को विषय समझाने के लिए कहा जाएगा इससे उनकी दोहराई भी हो जाएगी और वे विषय को अच्छी तरह से समझ सकेंगे।

पुनरावृति

- रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?
- अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम बताओ।
- क्या हम सरल वाक्य को संयुक्त में बदल सकते हैं?
- राधा नहा कर सो गई का संयुक्त वाक्य क्या होगा?
- 'वह कक्षा में प्रथम आया क्योंकि वह बहुत मेहनती था। 'इस वाक्य का सरल वाक्य क्या होगा?

शिक्षणकेप्रतिफल

- छात्र वाक्य और उसके भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे तथा सरल से संयुक्त और संयोग से सरल वाक्य बनाना सीख जाएंगे वह अर्थ के आधार पर वाक्य के आठों भेदों को अच्छी तरह से समझजाएंगे। छात्र सार्थक वाक्य रचना करने में निपुण हो जाएंगे और वाक्यों को उनके भेदों के आधार पर नामांकित कर सकेंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा , मौखिक तथा लिखित रूप में छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषयवस्तु- व्याकरणप्रकरण - समास

उद्देश्य :- 1.छात्रों को व्याकरण का ज्ञान कराना ।

2. सामासिक शब्दों की पहचान कराना ।

3. भाषा में संक्षिप्तीकरण का ज्ञान कराना ।

4. भाषा को आकर्षक और रोचक बनाना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- यह पूर्वानुमान है कि छात्र वाक्यांशों के लिए एक शब्द बनाना जानते हैं, अतः उनसे पुछा जायेगा –

-'राह के लिए खर्च' के लिए एक शब्द बताएं ।

-'घुड़दौड़' शब्द में किन दो सम्पूर्ण शब्दों का प्रयोग हुआ है ?

-'नीलकंठ' शब्द का क्या अर्थ है?यह विशेष तौर से किसके लिए प्रयोग किया जाता है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि ,लिंक --https:/youtu.be/plXGAbMzobuI

कार्य प्रणाली :- छात्रों के समक्ष कुछ शब्द बोल कर उनके अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्हें विग्रह करके बताया जायेगा , जिससे उन्हें पूर्वपद तथा उत्तरपद के बारे में बताते हुए समास ,समस्त पद तथा उनके विग्रह के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा ।इसके पश्चात् स्मार्ट बोर्ड , श्यामपट्ट तथा व्याकरण पुस्तक की सहायता से उन्हें इसके समस्त भेदों की जानकारी दी जाएगी

शब्द समूह	पूर्व पद	उत्तर पद	समस्त पद
हाथ से लिया हुआ	हस्त	लिखित	हस्तलिखित
रसोई के लिए घर	रसोई	घर	रसोईघर
नीला है जो गगन	नील	गगन	नीलगगन
पाँच वटों का समूह	पंच	वटी	पंचवटी
मृत्यु तक	आ	मरण	आमरण

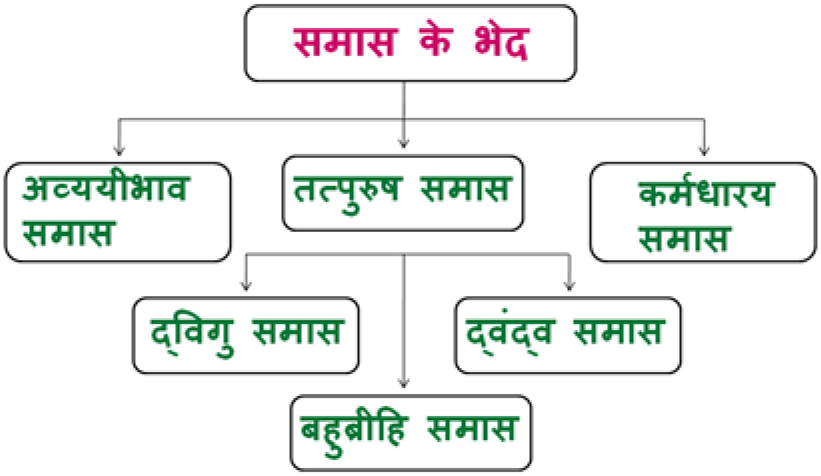

छात्र सहभागिता :- अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को छात्र ध्यान से सुनेंगे तथा उदाहरणों द्वारा ज्ञान की पुष्टि करेंगे। स्वयं लिखित रूप से अभ्यास करेंगे । फ़्लैश कार्ड के माध्यम से छात्र समास के भेड़ों, समस्त पद एवं विग्रह का अभ्यास करेंगे ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :- छात्र किसी पाठ में से चुनकर कुछ समस्तपदों की सूची बनायेंगे तथा उसका समास विग्रह कर उनके भेदों के नाम लिखेंगे,साथ ही उन्हें खेल खिलाया जायेगा जिसमें छात्रों को समूहों में विभाजित करके विभिन्न भेदोंके शब्द बाँट दिए जायेंगे; अध्यापिका के शब्दांश बोलने पर पूर्वपद तथा उत्तरपद लिए हुए छात्र आगे आएंगे तथा समस्तपद बनायेंगे।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- समास के भेदों का चार्ट बनाने तथा उनके चित्र बनाने में उनकी चित्रकला का विकास होगा। इसके अतिरिक्त कंप्यूटर,कविता लेखन आदि विषयों के ज्ञान के साथ भी जोड़ा जा सकता है ।एक कविता के माध्यम से भी समास के भेड़ों की पहचान करवाई जा सकती है :-

द्वंद्वमेंऔरछिपे **द्विगुमेंपहलागणनापदआवतहै**

बीचमेंकारकचिह्नछिपे **तत्पुरुषसमासकहावतहै**

पहलापदअव्यय,अव्ययीभाव **बहुव्रीहिमेंअन्यप्रधानतहै**

पहलापदजानेविशेषणहै **कर्मधारयनामकहावतहै**

पुनरावृत्ति :- 1. समस्त पद किसे कहते है ?

2. कर्मधारय तथा बहुव्रीहि में क्या अंतर है?

3. 'यथाशक्ति' शब्द का समास-विग्रह करो

4. जिस समस्तपद का पहला पद संख्यावाची हो, उसे क्या कहते है?

सीखने के प्रतिफल :- छात्र शब्दांशों को एक शब्दों में कहना सीखेंगे। समास के सभी भेदों की पहचान तथा उनके प्रयोग का अभ्यास करेंगे ।

मूल्यांकन :- छात्रों की जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए उन्हें गृह कार्य में व्याकरण पुस्तक का अभ्यास कार्य करने को दिया जाएगा ।इसके अतिरिक्त कक्षा में परीक्षा ली जाएगी ।

विषयवस्तु- लेखनप्रकरण – पत्रलेखन

उद्देश्य:- 1. विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना

2. मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना

3. छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

4. पत्र लेखन की योग्यता का प्राप्त करना

5. पत्र में अपनी बात को विषयानुरूप प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विस्तार करना

पूर्वज्ञानपरीक्षण:- 1. क्या आप जानते हैं पुराने समय में सन्देश भेजने की कौन-कौन सी विविधियाँ थीं?

2. आप किसी को सन्देश (आजकल)किस प्रकार भेजते हैं ?

3. क्या आपने किसी को पत्र लिखा है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि

कार्यप्रणाली:- छात्रों को पत्र लेखन का महत्त्व समझाया जायेगा कि चाहे इन्टरनेट के वर्तमान युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ है, किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गों के लिए लोग पत्र व्यवहार करते हैं ।विभिन्न कार्यालयों में तो पत्र व्यवहार अति आवश्यक है । पत्र लिखते समय जिन बातों का ध्यान रखना चाहिए ,उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी । पत्र के प्रकार बताये हुए पत्रों को दो भागों में बांटा जाने के बारे में बताया जाएगा :-

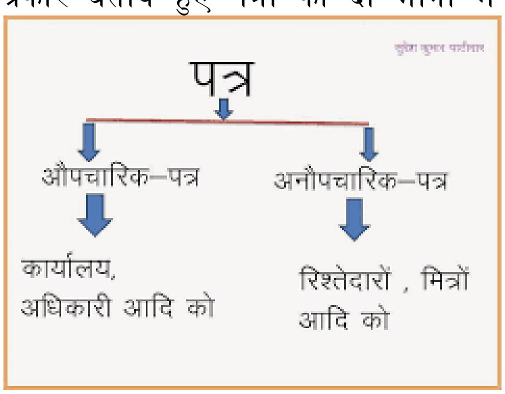

संबंध	प्रारंभ	अभिवादन	स्वनिर्देश
1. माता-पिता, शिक्षक, दादा, चाचा, अन्य बड़े	पूज्य, पूजनीय, श्रद्धेय, आदरणीय	सादर प्रणाम, सादर नमस्ते, सादर चरण स्पर्श	आपका प्रिय पुत्र, आपका आज्ञाकारी शिष्य, स्नेहाकांक्षी आदि।
2. बराबर वालों के लिए	मित्रवर, प्रिय, मित्र, प्रिय बंधु	नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा अभिन्न मित्र, तुम्हारा प्रिय मित्र
3. अपने से छोटों के लिए	प्रिय अनुज, प्रिय......	शुभाशीष, प्रसन्न रहो, चिरंजीव रहो	तुम्हारा शुभचिंतक, हितैषी, स्नेही आदि।
4. महान लोगों के लिए	आदरणीय, मान्यवर, माननीय	—	भवदीय, विनीत, प्रार्थी आदि।
5. औपचारिक पत्रों में	श्रीमान जी, महोदय, मान्यवर	—	भवदीय, आपका आदि।

छात्रसहभागिता :- छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानेंगे तथा लिखित अभ्यास द्वारा उस जानकारी को पुष्ट करेंगे ।अभ्यास- पुस्तक तथा स्मार्ट बोर्ड में दिए गाये पत्रों के उदाहरणों का अभ्यास करेंगे ।छात्र एक पत्र अपने सहपाठी को लिखेंगे जिसमें कोरोना के दौरान शिक्षा की स्थिति का वर्णन किया गया हो ।

सहशैक्षिकगतिविधियाँ:- छात्रों को सर्वेक्षण के लिए डाकघर की विभिन्न प्रक्रियाओं को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए वे उसकी वेबसाइट से या दफ्तर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सकते हैं ।

ज्ञानकेअन्यक्षेत्रोंकेसाथएकीकरण :- भाषा विस्तार के साथ-साथ सामाजिक –शास्त्र, भूगोल ,इतिहास , मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारतम्य स्थापित किया जाएगा ।

सीखनेकेप्रतिफल :- छात्र पत्र-लेखन के द्वारा भाषा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखेंगे , जैसे – सरलता, स्पष्टता, निश्यात्मकता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि ।

योग्यताविस्तारकार्य :-छात्रों से पत्रों के प्रारूप लिखवा कर पूछे जाएँगे जिससे उनका अभ्यास होगा --

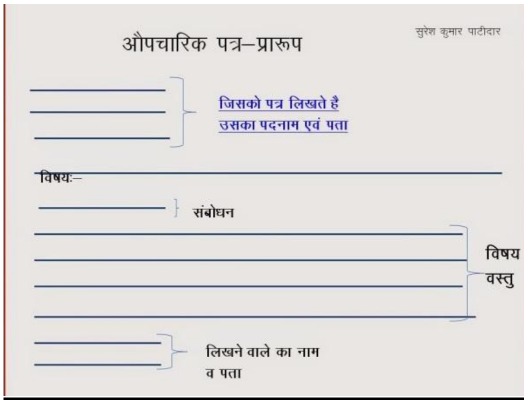

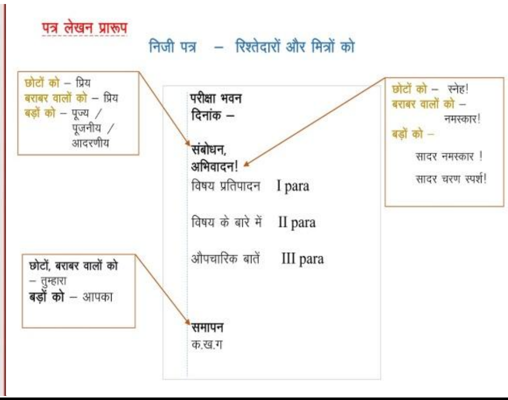

सहायकशिक्षणसामग्री:- विभिन्न प्रकार के पत्र , लिफ़ाफ़ा , अंतर्देशीय, पोस्टकार्ड अदि कक्षा में दिखाए जाएँगे

मूल्यांकन :-हिंदी व्याकरण में दिए कुछ औपचारिकतथा अनौपचारिक पत्रों को अभ्यास के लिए दिया जाएगा –जैसे

--बैंक के प्रबंधक को पत्र लिखिए जिसमें ए.टी.एम्.के अभी तक जारी ना होने की शिकायत हो

--अपनी माता जी के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए

-इकाई परीक्षा

--परियोजना कार्य

-गृह कार्य

विषय।हिंदी

उपविषयविज्ञापन

शिक्षणउद्देश्य

- छात्रों को विज्ञापन का अर्थ समझाना।
- उन्हें विज्ञापन का महत्व बताना।

- छात्रों को अच्छा विज्ञापन बनाने के लिए जरूरी तत्वों की जानकारी देना।
- एक अच्छा और सुंदर विज्ञापन बनाना सिखाना।
- रचनात्मकता का विकास करना।
- कल्पना शक्ति का विकास करना।
- भाषाई कौशलों का विकास करना।

पूर्वज्ञानपरीक्षा

- क्या आपने कभी टीवी में कोई विज्ञापन देखा है ?
- ।अखबारों में भी क्या विज्ञापन आते हैं ?
- क्या आप जानते हैं कि हमारे जीवन में विज्ञापन का क्या महत्व है?
- क्या आप कोई ऐसा विज्ञापन बता सकते हैं जिसने आपको बहुत प्रभावित किया?
- क्या आप कभी किसी विज्ञापन से उस उत्पाद को खरीदने के लिए प्रेरित हुए हैं?
- क्या आप कोई विज्ञापन बनाना जानते हैं?

सहायकसामग्री

- श्यामपट्ट, चौक, झाड़न, यूट्यूब ,कुछ अखबार, कुछ पुराने मैगजीन

पद्धति

- अभिनय करना, सुंदर विज्ञापन तैयार करना ,किसी विज्ञापन को नाटकीय रूप में प्रस्तुतकरना

शिक्षणकार्य

- छात्रों को आम व्यक्ति के जीवन में विज्ञापन के महत्व को बताते हुए उन्हें एक सुंदर और रंगीन विज्ञापन बनाना सिखाया जाएगा ।उन्हें विज्ञापन के अलग-अलग तत्वों के बारे में भी बताया जाएगा। छात्रों को यह भी बताया जाएगा कि विज्ञापन कितने प्रकार के होते हैं। छात्रों को समझाया जाएगा कि विज्ञापन बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जैसे
- विज्ञापन उपभोक्ताओं के मन :स्थिति के अनुरूप होना चाहिए होनी चाहिए।
- विज्ञापनों में चित्रों का बहुत प्रभाव होता है ।
- ।विज्ञापनों में रंगों का भी बहुत प्रभाव होता है ।
- विज्ञापनों में रुचि तथा ध्यान आकर्षित करने के गुण होने चाहिए।

छात्रों को कुछ उदाहरण देते हुए एक अच्छे विज्ञापन को बनाने के गुण बता कर विज्ञापन बनाने के लिए कहा जाएगा।

अन्यज्ञानक्षेत्रोंकेसाथएकीकरण

- विज्ञान से संबंधित उत्पादोंके विज्ञापन बनवा कर छात्रों को विज्ञान के साथ जोड़ा जाएगा।
- विज्ञापन कला को सीखते हुए छात्र अर्थशास्त्र का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।
- चित्र बनाकर और रंगों आदि का प्रयोग करके छात्र चित्रकला से भी जुड़ेंगे।

छात्रसहभागिता

- छात्र अपनी पसंद के कुछ विषयों पर विज्ञापन बनाएंगे।
- किसी पदार्थ अथवा किसी अन्य विज्ञापन को नाटक के रूप में भी प्रस्तुत करेंगे।

सहशैक्षिकगतिविधि

- छात्रों को चित्र सहित विज्ञापन बनाने के लिए कहा जाएगा।
- अभिनय करना

पुनरावृति

- आप जानते हैं कि विज्ञापन को बनाते समय किक्या न किन बातों का ध्यान रखनापड़ताहै?
- क्या आप एक अच्छा विज्ञापन बना सकते हैं?
- विज्ञापन कितने प्रकार के होते हैं?
- क्या चित्र विज्ञापन को आकर्षित बनाते हैं?

शिक्षणकेप्रतिफल

- छात्र आज के युग में विज्ञापन के महत्व को समझ जाएंगे और एक अच्छा विज्ञापन बनाना भी सीख जाएंगे।

मूल्यांकन

निम्नलिखित सभी तरीकों को अपनाते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

- अभ्यास कार्य
- इकाई परीक्षा
- गृह कार्य

विषयहिंदी

उपविषयसूचनालेखन

शिक्षणउद्देश्य

- भाषाई कौशलों का विकास करना।
- विद्यार्थियों की शब्द भंडार में वृद्धि करना।
- छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
- छात्रों को सूचना लिखने के उद्देश्य बताना।
- छात्रों को सूचना लिखने का सही ढंग बताना।

- व्याकरण के नियमों का ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी भाषा के अध्ययन में रुचि पैदा करना।

पूर्वज्ञानपरीक्षा

- क्या आप सूचना शब्द का अर्थ समझते हैं?
- क्या आप अपनी अपने स्कूल में सूचना पट पर स्कूल या प्रधानाचार्य की तरफ से लिखी हुई सूचना पड़ी है?
- क्या आप सूचना लिखने का सही ढंग जानते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि सूचना लिखने के क्या-क्या उद्देश्य हो सकते हैं?
- क्या आपने कभी अखबार या मैगजीन आदि में या किसी दफ्तर के बाहर सूचना पट पर लिखी हुई सूचना पड़ी है?

सहायकसामग्री

- श्यामपट्ट, चौक, झाड़न, कंप्यूटर , प्रोजेक्टर पुरानी , अखबार पुरानेसूचना पत्र, यूट्यूब , गूगल आदि।

पद्धति

- 'करो और सीखो' पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्रों को सूचना लिखना सिखाया जाएगा।

शिक्षणकार्य

विभिन्न साधनों का प्रयोग करते हुए छात्रों को बताया जाएगा कि **सूचना -लेखनकातात्पर्यहै --किसीविशेषसूचनाकोसार्वजनिककरना।** यह औपचारिक शैली में लिखी संक्षिप्त जानकारी होती है। यह आम व्यक्तियों तथा संगठनों द्वारा उपयोग में लाई जाती है। इसका प्रयोग जन्म तथा मृत्यु की घोषणा करने , घटनाओं जैसे --उद्घाटन व सेल , सरकारी आदेशों की जानकारी देने, किसी विशेष अवसर के लिए आमंत्रण देने , किसी कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त करने या कर्मचारी द्वारा नौकरी छोड़ने की सूचना देने के लिए किया जाता है ।इन सूचना पत्रों को एक खास बोर्ड पर लगाया जाता है किसी भी स्कूल या संगठनों में खास जगह पर यह बोर्ड लगाए जाते हैं ।जबकि सरकारी विभागों द्वारा जारी सूचना भिन्न -भिन्न पसमाचार पत्रों में भी छापी जाती है।छात्रों को समझाया जाएगा कि एक अच्छी सूचना के लिए कुछ बिंदुओं का ध्यान रखना आवश्यक होता है जैसे-

- जिस संस्था , स्कूल या ऑफिस द्वारा इसे जारी किया जा रहा है- उसका नाम।
- जिस दिनांक को इसे जारी किया जा रहा है।
- सही शीर्षक जो सूचना को स्पष्ट करें
- एक आकर्षित करने वाला नारा या स्लोगन
- सूचना लिखने का उद्देश्य जैसे -मीटिंग , किसी ओर ध्यान आकर्षित करने, आम जनता को, सामान्य जानकारी आदि
- शमी का सही और पूरा विवरण -दिनांक , समय , स्थान , प्रोग्राम, कितने बजे से कितने बजे तक

छात्रों को समझाया जाएगा कि इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप एक अच्छी सूचना लिख सकते हैं।छात्रों को सूचना का सही प्रारूप बताकर नमूने के तौर पर कुछ सूचनाएं लिखने के लिए कहा जाएगा।

अन्यज्ञानक्षेत्रोंकेसाथएकीकरण

- अंग्रेजी में नोटिस राइटिंग के बारे में बताते हुए छात्रों को अंग्रेजी विषय से भी जोड़ा जाएगा।सामाजिक विषयों से संबंधित सूचनाएं लिखने के लिए कहकर छात्रों को सामाजिक शिक्षा से भी जोड़ा जाएगा।

छात्रसहभागिता

- छात्र कक्षा में पढ़ाई के विषय को अच्छी तरह ग्रहण करेंगे। अभ्यास कार्य करते हुए सूचना लेखन को अच्छी तरह सीखेंगे।अपनी कल्पना शक्ति और रचनात्मकता का विकास करेंगे। विषय से संबंधित गतिविधि को रुचिकर ढंग से करेंगे।

सहशैक्षिकगतिविधि

- उप विषय को अच्छी तरह से समझाने के लिए एक गतिविधि का सहारा लिया जाएगा।
- छात्रों को अपने आप को प्रधानाचार्य, किसी सभा के अध्यक्ष, हेड बॉय, हेड गर्ल, विद्यार्थियों के प्रतिनिधि आदि के रूप में अभिनय करते हुए एक सूचना तैयार करने के लिए कहा जाएगा।

पुनरावृति

- क्या आप सूचना लेखन का अर्थ समझ गए हैं?
- क्या आप एक अच्छा सूचना लेखन कर सकते हैं।
- क्या आप विभिन्न सूचनाओं को लिखने क्या उद्देश्य जानते हैं?
- सूचना लेखन में किन किन बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए?
- एक सूचना में क्या-क्या चीजें स्पष्ट होनी चाहिए?

शिक्षणकेप्रतिफल

- छात्र सूचना तैयार करना सीख जाएंगे।

- छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- छात्रों की रचनात्मकता और कल्पना शक्ति का विकास होगा।
- छात्र सूचना लिखने की कला में समर्थ हो चुके हैं।

मूल्यांकन

निम्नलिखित सभी विधियों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा

- अभ्यास पत्रिका
- इकाई परीक्षा
- पाप के अंत में दिया गया अभ्यास कार्य।
- अलग-अलग विषयों पर सूचना लेखन।

विषयहिंदी

उक्तविषय।अनुच्छेदलेखन

शिक्षणउद्देश्य

- छात्रों की रचनात्मक शक्ति का विकास करना।
- छात्रों को अनुच्छेद लिखते समय महत्वपूर्ण बातों की जानकारी देना।
- छात्रों को अलग-अलग तरह के और अलग-अलग विषयों पर अनुच्छेद लिखना सिखाना।
- शब्द ज्ञान में वृद्धि करना।
- कल्पना शक्ति का विकास करना।
- वर्तनी और वाक्य संबंधी त्रुटियों को दूर करना।
- भाषाई कौशलों का विकास करना।

पूर्वज्ञानपरीक्षा

- 'अनुच्छेद 'शब्द का अर्थ क्या होता है?
- अनुच्छेद और निबंध में क्या अंतर होता है?
- अनुच्छेद लेखन में संकेत बिंदुओं का क्या महत्व होता है?
- क्या आपने कभी पहले कोई अनुच्छेद लिखा है?

सहायकसामग्री

- व्याकरण पुस्तिका ,श्यामपट्ट ,चौक, झाड़न

पद्धति

,'करो और सीखो 'पद्धति द्वारा छात्रों को अलग-अलग विषयों पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।

शिक्षणकार्य

छात्रों को समझाया जाएगा कि अनुच्छेद निबंध से भिन्न होता है ।इसे लिखते समय भूमिका बांधने और निष्कर्ष देने की आवश्यकता नहीं होती। दिए गए विषय को केंद्र में रखकर पूरे अनुच्छेद में उसी का विस्तार किया जाता है अतः यह ध्यान रखना चाहिए कि अनुच्छेद में अनावश्यक प्रसंग ना हो, सभी वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए और स्वाभाविक रूप से कथ्य का क्रमिक विकास करते हुए दिखाई देने चाहिए ।अनुच्छेद में स्पष्टता और सजगता लाने के लिए संगती एवं एकाग्रता आवश्यक है ।सीमित आकार होने के कारण अनुच्छेद लेखन मेंअनावश्यक विस्तार नहीं करना चाहिए।

अनुच्छेद लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

- अनुच्छेद का आकार सीमित हो।(लगभग 80 से 100 शब्द)
- एक केंद्रीय भाव या विचार का क्रमिक विस्तार है।
- अलंकारिकता तथा अनावश्यक शब्द प्रयोग ना हो।
- भाषा में विषय के अनुरूप सहजता तथा प्रवाह हो।

अनुच्छेदों को मुख्य रूप से चार भागों में विभक्त किया जा सकता है--

- विचार प्रधान अनुच्छेद
- वर्णन प्रधान अनुच्छेद
- भाव प्रधान अनुच्छेद
- कल्पना पर आधारित अनुच्छेद

छात्रों को अलग-अलग विषय देखकर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।

छात्रसहभागिता

- छात्र कुछ अध्यापिका द्वारा दिए गए और कुछ अपनी मनपसंद के विषयों पर पहले मौखिक रूप में अपने विचार कक्षा में प्रकट करेंगे उसके बाद विचारों को एक अनुच्छेद के रूप में लिखने का प्रयास करेंगे।
- छात्र अभ्यास के लिए दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखने का प्रयास करेंगे।

सहशैक्षिकगतिविधि

- कक्षा में कुछ विषयों को लेकर चर्चा की जाएगी उसके बाद छात्र उसी चर्चा को एक अनुच्छेद का रूपदेंगे।
- जैसे -त्योहारों का जीवन में महत्व, नर हो ना निराश करो मन को, समाज सेवा, मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना आदि।

अन्यज्ञानक्षेत्रोंकेसाथएकीकरण

- विज्ञान से जुड़े हुए अनुच्छेद लेखन से छात्र विज्ञान के साथ जुड़ेंगे।
- राष्ट्रीय एकता ,राष्ट्रध्वज, आदि जैसे विषयों पर अनुच्छेद लिखकर वे नागरिक शास्त्र से जुड़ेंगे।
- प्रकृति से जुड़े हुए विषयों पर अनुच्छेद लेखन से छात्र पर्यावरण शिक्षा के साथ जुड़ जाएंगे।

पुनरावृति

- अनुच्छेद की भाषा कैसी होनी चाहिए?
- क्या अनुच्छेद में मुहावरों तथा लोकोक्तियां का प्रयोग करना सही है?
- क्या अनुच्छेद लेखन की कोई शब्द सीमा होती है?
- अनुच्छेद अधिक से अधिक कितने शब्दों में लिखा जा सकता है?

मूल्यांकन

- कुछ विषय देकर छात्रों को अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।
- कक्षा परीक्षा के दौरान किसी भी विषय पर अनुच्छेद लिखवाया जाएगा।
- अभ्यास कार्य

उपर्युक्त सभी विधियों का सहारा लेते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय-हिंदी **प्रकरण – मुहावरे**

शिक्षण उद्देश्य :-*मुहावरों के अर्थ से छात्रों को परिचित कराना

*उनके अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग को समझाना

*विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना

*मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना

*छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट , चाक, झाड़न , फ्लैश कार्ड , स्मार्ट बोर्ड, व्याकरण पुस्तक

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- * क्या आप जानते हैं मुहावरा क्या होता है?

- क्या आपने कभी कोई मुहावरा सुना है?
- भाषा में मुहावरों का क्या महत्त्व होता है?

शिक्षण विधि :- छात्रों को समझाया जायेगा की मुहावरा अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है' अभ्यास '। मुहावरों में शाब्दिक अर्थ महत्वपूर्ण नहीं होता अपितु लाक्षणिक या व्यंग्यार्थ मुख्य होता है '। मुहावरा एक वाक्यांश होता है तथा इसमें काल ,वचन तथा पुरुष के अनुरूप परिवर्तन होता है '। उनकी व्याकरण पुस्तक के माध्यम से कुछ उदाहरण पढ़े जायेंगे तथा उनके अर्थ और वाक्य प्रयोग समझाए जाएँगे '।

सह शैक्षिक गतिविधि :-छात्रों को कुछ फ्लैश कार्ड दिखाए जाएंगे जिसमे बने चित्रों को देख कर वे मुहावरा पहचानेंगे '। इस विधि के माध्यम से उन्हें मुहावरे तथा उनके अर्थ ग्रहण में सहायता होगी '।

आस्तीन का साँप | कमर कसना | हाथ–पाँव फूलना | नौ–दो ग्यारह होना | नाक काटना | हवा से बाते करना

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- छात्र अभिनय कला तथा सामाजिक शिक्षा के साथ-साथ कला के क्षेत्र से जुड़ेंगे तथा मुहावरों को आत्मसात करेंगे ‘।

छात्र सहभागिता :- छात्र मुहावरे का अर्थ समझते हुए इसके भाषायी महत्त्व को जानेंगे ‘।अपनी पाठ्य पुस्तक के पाठों में से मुहावरे छांट कर उनके अर्थ ढूँढने का प्रयास करेंगे ‘। दिए गाये परियोजना कार्य को करेंगे ।

सीखने के प्रतिफल :- * छात्र व्यव्हारिक जीवन में मुहावरों के महत्त्व को जानेंगे ‘।

- भाषा को मुहावरों के प्रयोग द्वारा आकर्षित बनाना सीखेंगे ।
- रचनात्मक कला का विकास होगा ‘।
- अभिनय कला तथा चित्र कला में विकास होगा ‘।

पुनरावृत्ति :- * मुहावरे का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

- मुहावरों का प्रयोग भाषा में क्यों किया जाता है ?
- अभ्यास प्रश्नों द्वारा पुनरावृत्ति करवाई जाएगी

अभ्यास-प्रश्न

नीचे दिए गए मुहावरों के चार-चार अर्थ दिए गए हैं। उनमें सही अर्थवाला विकल्प छाँटकर उसे उत्तर के रूप में लिखिए–

(*i*) श्री गणेश करना

(क) पूजा करना (ख) धार्मिक यात्रा पर जाना
(ग) काम आरंभ करना (घ) काम समाप्त करना

(*ii*) घर बसाना

(क) नया घर बनाना (ख) विवाह करना
(ग) नए घर में रहने जाना (घ) सबसे अलग रहना

(*iii*) अपने पैर पर खड़ा होना

(क) साहसपूर्ण कार्य करना (ख) बीमारी से मुक्ति पाना
(ग) स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार होना (घ) स्वावलंबी बनना

(*iv*) मुट्ठी गरम करना

(क) सर्दी भगाना (ख) अलाव जलाना
(ग) रिश्वत देना (घ) रिश्वत लेना

(*v*) कागज काला करना

(क) व्यर्थ में लिखना (ख) बिना रंगों का चित्र बनाना
(ग) कुछ नया सीखने का प्रयास करना (घ) बेकार का काम करना।

1. मुहावरा क्या है? इसकी क्या विशेषता है?
2. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें–
   अपना उल्लू सीधा करना, नाक में दम करना, पेट में चूहे कूदना, कुआँ खोदना, तीन-तेरह होना, गर्दन पर चढ़ना।
3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही मुहावरों का प्रयोग करें–
   (क) मोहन माता-पिता के बुढ़ापे का सहारा है।
   (ख) झगड़े में मदन की पोल खुल गई।
   (ग) राम और श्याम की गहरी दोस्ती है।
   (घ) उसकी बातें सुनकर मेरा क्रोध बढ़ गया।
   (ङ) उसने इशारा कर के मुझे बुलाया।

मूल्यांकन :-व्याकरण पुस्तिका के अभ्यास कार्य में दिए प्रश्नों को हल करेंगे तथा कार्य पुस्तिका को भी करेंगे

तिथि :
दिन :

मुहावरे

नीचे दिए अर्थों के लिए उचित मुहावरे लिखो -

1. तंग करना
2. हँसना
3. नींद आ जाना
4. मना करना
5. बहुत भूख लगना
6. सहायता करना

तिथि : __________
दिन : __________

मुहावरे

नीचे लिखे मुहावरों को सही अर्थ से जोड़ो -

मुहावरे	अर्थ
आँखे भर आना	तंग करना
दंग रह जाना	प्रशंसा करना
अँगूठा दिखाना	आँख में आँसू आना
गुणगान करना	हैरान होना
नाक में दम करना	मना करना